TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition

आगरा में यमुना नदी को समृद्ध बनाने की अनूठी पहल...(पेज-3)

पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | शुक्रवार | दिनांक- 30.10.2026

गुजरात दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

हजारों करोड़ रुपये की विकास कार्यों की देंगे सौगात, एकता दिवस समारोह में भाग

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के बनासकांठा में 30 अक्टूबर को सुबह करीब साढ़े 9 बजे एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी-इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (ईटी-आईवीएफ) प्रयोगशाला और भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर (बीआरसी) मवेशी फार्म का दौरा करेंगे। सुबह करीब 10:30 बजे वह बनासकांठा में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। मोदी, पीएम-किसान योजना के तहत 19,000 करोड़ रुपये की 24वीं किस्त भी जारी करेंगे। इसके अलावा दो ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर पीएम मोदी राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री 31 अक्टूबर को सुबह करीब 9 बजे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद सुबह करीब 9:15 बजे वे एकता नगर में 400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। इसके बाद वह एकता नगर में वर्षा वन और वामन वृक्ष वाटिका का दौरा करेंगे।

बनासकांठा में प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री गुजरात में बनासकांठा के भीलडी में भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर (बीआरसी) राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 127 एकड़ में फैले इस संस्थान को अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है। बीआरसी गोजातीय प्रजनन, आनुवंशिक उन्नयन और उन्नत प्रजनन प्रौद्योगिकियों को मजबूत करेगा।

एक नवंबर को दिल्ली में जुटेगा विपक्ष

'वोट देने का अधिकार खतरे में, चुप नहीं रह सकते'; ममता बनर्जी ने की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मतदाता सूची में बदलाव और वोटों में कथित गड़बड़ी के खिलाफ विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जब लोगों के वोट देने के अधिकार पर खतरा हो, तब चुप नहीं रहा जा सकता। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली बुलाई है। इस रैली का मुख्य मुद्दा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल हैं।

क्या है ममता बनर्जी का संदेश और विपक्ष क्यों जुट रहा है?

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि एक नवंबर को आईएनडीआईए रामलीला मैदान में एकजुट होगा। उन्होंने वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई को हर भारतीय के अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने के अधिकार की रक्षा से जोड़ा। ममता ने छात्रों, युवाओं, महिलाओं, मजदूरों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों से इस अभियान में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए साथ खड़ा होना चाहिए। उनके मुताबिक, बंगाल के साथ देश के दूसरे राज्यों में भी वोटों से जुड़ी शिकायतों पर जवाब मिलना चाहिए।

मतदाता सूची के एसआईआर और चुनाव आयुक्त पर क्या हैं सवाल?

विपक्षी गठबंधन की रैली का प्रमुख उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर सवाल उठाना है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम सूची से हटने का खतरा है। विपक्षी दलों का कहना है कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी हर नागरिक के मतदान के अधिकार की रक्षा करना है। इसी वजह से विपक्ष इस प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता सूची की विश्वसनीयता को लेकर जवाब मांग रहा है। हालांकि, पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंका विपक्ष का आरोप है, इसे इस खबर में प्रमाणित तथ्य के रूप में नहीं बताया जा सकता।

ईवीएम से मतगणना तक किन मुद्दों पर उठ रहे सवाल?

ममता बनर्जी ने अपने संदेश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), मतदाताओं के आंकड़ों, मतदाता सूची और मतगणना की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बंगाल के अलावा दूसरे राज्यों में भी मतदान से जुड़ी शिकायतों का जवाब दिया जाना चाहिए। इस बीच, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भी एक नवंबर की रैली को समर्थन देने की घोषणा की है। पार्टी ने 28 अक्तूबर को सोशल मीडिया पर जारी बयान में एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ विपक्ष के अभियान के साथ खड़े होने की बात कही। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी दोहराई। पार्टी ने आशंका जताई कि एसआईआर के कारण पात्र मतदाताओं के नाम सूची से छूट सकते हैं।

रैली में कितनी भीड़ जुटाने का लक्ष्य है और कब होगा कार्यक्रम?

दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को दोपहर 12:30 बजे रैली आयोजित करने की योजना है। दिए गए विवरण के मुताबिक, इसमें करीब 10 लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। रैली में शामिल होने के लिए 15 हजार से 20 हजार बसों के आने की संभावना जताई गई है। इतनी बड़ी संख्या में बसों के पहुंचने से मध्य दिल्ली में यातायात प्रभावित होने की आशंका है। विपक्ष की इस रैली पर राजनीतिक दलों की नजर है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कितने लोग इसमें शामिल होते हैं और मतदाता सूची, एसआईआर तथा चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर उठाए गए सवाल राष्ट्रीय राजनीति में कितना प्रभाव डालते हैं।

ममता बनर्जी बोलीं- बंगाल सरकार सीबीआई को सौंप सकती है जांच

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार आई-पैक (क-ढअउ) कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी में कथित बाधा डालने के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि राज्य में अब सरकार बदल चुकी है, इसलिए इस मामले में सीबीआई जांच के रास्ते में कोई बाधा नहीं है।

ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य सरकार के पास दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 के तहत मामले को सीबीआई को सौंपने का अधिकार है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट पर इस याचिका में सुनवाई का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। यह मामला आठ जनवरी को कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालय पर ईडी की छापेमारी के दौरान कथित बाधा डालने से जुड़ा है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने ईडी की याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। ईडी ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए इसे सीबीआई को सौंपने की मांग की है। एजेंसी का आरोप है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य के अधिकारियों ने छापेमारी में हस्तक्षेप किया था।

यूपीः सरकार ने किया स्पष्ट

राजनीतिक विचारधारा नहीं होगी अयोग्यता का पैमाना

हिंसात्मक गतिविधियां होंगी अहम

एजेंसी, लखनऊ।

नियुक्ति विभाग ने उत्तर प्रदेश में सरकारी नियुक्तियों के लिए अभ्यर्थियों के चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन से संबंधित शासनादेश को लेकर कुछ समाचार माध्यमों में प्रकाशित रिपोर्ट पर स्थिति स्पष्ट की है। विभाग के अनुसार, शासनादेश की व्याख्या करते समय इसके मूल आशय और वास्तविक प्रावधानों को समझना जरूरी है। संबंधित नियम स्पष्ट करता है कि किसी व्यक्ति को केवल उसकी राजनीतिक विचारधारा के आधार पर सरकारी नियुक्ति के लिए अनुपयुक्त नहीं माना जाएगा। इसलिए इस प्रावधान को राजनीतिक विचारधारा, वैचारिक असहमति या शांतिपूर्ण विरोध के आधार पर सरकारी नौकरी से वंचित करने की व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है।

प्रावधान में राजनीतिक विचारधारा और हिंसात्मक गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर किया गया है। इसमें विशेष रूप से ऐसे संगठनों का उल्लेख है, जिनका संकल्पित उद्देश्य हिंसात्मक तरीके से समाज की विद्यमान व्यवस्था को बदलना है। ऐसे संगठनों से जुड़ाव और संबंधित गतिविधियों के मामलों में निर्धारित नियमों के अनुसार विचार किया जाएगा। इसका आशय सामान्य राजनीतिक विचारों, सरकार की आलोचना या शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक गतिविधियों को हिंसात्मक गतिविधियों के समान मानना नहीं है।

पहले से लागू था प्रावधान, अभी बनाया गया अधिक स्पष्ट

नियुक्ति विभाग के अनुसार, सरकारी नियुक्तियों के लिए चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन से संबंधित यह प्रावधान पहले के शासनादेश में भी शामिल था। नए शासनादेश में उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में संबंधित प्रावधानों को एक साथ संकलित करते हुए अधिक सरल, स्पष्ट और व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसका उद्देश्य नियमों को समझने, उनके एकरूप अनुपालन और सत्यापन प्रक्रिया में स्पष्टता सुनिश्चित करना है। इससे अभ्यर्थियों को प्रावधानों को समझने में सुविधा मिल सकती है और अनावश्यक भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता है।

तीन वर्ष की अवधि के साथ सकारात्मक बदलाव का भी प्रावधान

संबंधित नियम में 21 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद जांच की तारीख से पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान ऐसी गतिविधियों में भागीदारी को व्यक्ति की सक्रिय संलग्नता का प्रमाण मानने का उल्लेख है। साथ ही, इस अवधि में व्यक्ति की प्रवृत्ति में सकारात्मक परिवर्तन के ठोस प्रमाण उपलब्ध होने की स्थिति को भी ध्यान में रखा गया है। इसलिए इस प्रावधान को केवल तीन वर्ष की अवधि का उल्लेख करके समझना पर्याप्त नहीं है; इसके सभी पहलुओं को साथ पढ़ना आवश्यक है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक विचार रखना, सरकार की नीतियों की आलोचना करना और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना अलग विषय हैं। इन्हें हिंसात्मक तरीके से सामाजिक व्यवस्था बदलने के उद्देश्य वाली गतिविधियों के समान नहीं माना जा सकता। सरकारी सेवाओं में चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन निर्धारित मानकों के अनुसार अभ्यर्थियों की उपयुक्तता की जांच की प्रक्रिया है। ऐसे में शासनादेश की व्याख्या उसके संपूर्ण पाठ और वास्तविक संदर्भ के आधार पर किया जाना जरूरी है, ताकि किसी प्रावधान को उसके मूल आशय से अलग करके प्रस्तुत न किया जाए और अभ्यर्थियों के बीच अनावश्यक भ्रम न फैले।

यूपी चुनाव से पहले भाजपा का मंथनः नितिन नवीन ने राष्ट्रीय महासचिवों के साथ की बैठक

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक की। इसमें संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों और आने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा हुई। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष, स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े और सुनील बंसल समेत अन्य नेता शामिल हुए। इस बैठक के बाद नितिन नवीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इससे पहले बुधवार को नितिन नवीन ने भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत दिल्ली के चांदनी चौक में एक मार्च का नेतृत्व किया। यह मार्च ऐसे समय में निकाला गया, जब एसआईआर को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है और कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने 'वोट चोरी' के आरोप लगाए हैं। सत्ताधारी पार्टी ने अपने नेताओं और कार्यकताओं को एकजुट करके विपक्ष के अभियान का जवाब देने की कोशिश की है।

इसी प्रयास के तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को चांदनी चौक में मार्च का नेतृत्व किया। उन्होंने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'कांग्रेस-आई' (जिसे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने जनवरी 1978 में बनाया था) का मतलब 'कांग्रेस-इंदिरा' नहीं, बल्कि 'इटैलियन कांग्रेस' है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस की चुनावी हार को नागरिकों द्वारा किया गया शुद्धिकरण करार दिया। बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक के चार राज्यों में 28 सीटों पर हुए एमएलसी चुनावों ने कांग्रेस को करारा झटका दिया, जबकि भाजपा के लिए यह मनोबल बढ़ाने वाला साबित हुआ।

चक्रवात अर्नब का कहरः ओडिशा के गंजाम में 300 गांव बाढ़ में घिरे, कई ट्रेनें रद्द

एजेंसी, भुवनेश्वर/अमरावती।

चक्रवात अर्नब के कारण ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। ओडिशा के गंजाम जिले में करीब 300 गांव पानी से घिर गए हैं। राज्य सरकार प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को हवाई मार्ग से निकालने की तैयारी कर रही है। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने, बिजली आपूर्ति बहाल करने और प्रभावित लोगों को जल्द मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। ओडिशा की मुख्य सचिव अनु गर्ग ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान चला रही हैं।

हालांकि, लगातार बारिश और बादल नीचे होने के कारण हेलीकॉप्टर से लोगों को निकालने में परेशानी आ सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय के संपर्क में है। पहले चरण में करीब 120 लोगों को हवाई मार्ग से निकालने की योजना बनाई गई है। भारतीय तटरक्षक बल इसके लिए हेलीकॉप्टर और जरूरी सहायता उपलब्ध कराएगा।

गंजाम में ऋषिकुल्या नदी उफान पर

अधिकारियों के मुताबिक, गंजाम जिले के सोरड़ा समेत कई इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण ऋषिकुल्या नदी उफान पर है। इससे आसपास के कस्बों और गांवों में पानी भर गया है। आस्का में नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। दिगपहांडी ब्लॉक में भी लगातार बारिश से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। मुख्य सचिव अनु गर्ग ने कहा कि बारिश कम होने पर बचाव दल प्रभावित लोगों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। गंजाम में ओडीआरएएफ की एक अतिरिक्त टीम भेजी गई है और एक वरिष्ठ अधिकारी बचाव तथा निकासी अभियान की निगरानी कर रहे हैं। ओडिशा के परिवहन मंत्री बिभूति भूषण जेना ने बताया कि पानी से घिरे ज्यादातर लोग सनाखेमुंडी और आस्का ब्लॉक के गांवों में फंसे हैं।

ओडिशा में नौ ट्रेनें रद्द, 14 के रूट बदले

चक्रवात अर्नब के कारण ओडिशा में रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। गंजाम जिले में भारी बारिश के बाद बहुदा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। इसके चलते हावड़ा-चेन्नई रेल मार्ग पर गुरुवार को नौ ट्रेनें रद्द कर दी गईं, जबकि 14 ट्रेनों के रूट बदल दिए गए। पूर्व तटीय रेलवे के अनुसार, विशाखापत्तनम रेल मंडल के इच्छापुरम-झाड़ुपुड़ी खंड में दो रेलवे पुलों पर पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। रद्द की गई ट्रेनों में भुवनेश्वर-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस, इंटरसिटी एक्सप्रेस और विशाखा एक्सप्रेस शामिल हैं।

एमएलसी चुनाव परिणामः 'अपने प्रदर्शन पर अहंकार न करे भाजपा', खरगे बोले- संसद भंग कर बैलेट पेपर से करा लें चुनाव

एजेंसी, नई दिल्ली।

विपक्ष की तरफ से 30 अक्तूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जन महाभियोग और 1 नवंबर को दिल्ली में रैली करने की योजना है। इसी बीच आज तमाम विपक्षी नेताओं ने इसे लेकर बैठक भी की है। वहीं, पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कई मुद्दों पर बातचीत की है।

'भाजपा को यह अहंकार नहीं होना चाहिए'

इस दौरान कर्नाटक में एमएलसी चुनाव के नतीजों के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने कहा- हम अभी भी बैलेट पेपर (मतपत्र) की मांग करते हैं। सिर्फ इसलिए कि वे जीत रहे हैं, हमें मैदान नहीं छोड़ देना चाहिए। एक समय ऐसा भी था जब वे संसद की केवल दो सीटें जीते थे... कभी-कभी ऐसा हो जाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पार्टी की कोई पकड़ नहीं है। भाजपा को यह अहंकार नहीं होना चाहिए कि उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर ऐसा है, तो वे संसद को भंग कर दें और बैलेट पेपर से चुनाव करवा लें।

1 नवंबर को हम एक रैली कर रहे हैं- खरगे

उन्होंने आगे कहा- हमारा विरोध प्रदर्शन जारी है क्योंकि 'वोट चोरी' हुई है और (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने आयोग में जो गड़बड़ी की है, उसके खिलाफ हम यह प्रदर्शन कर रहे हैं। यह आगे भी जारी रहेगा और सभी पार्टियां हमारा समर्थन कर रही हैं। कल एक 'मॉक पार्लियामेंट' (प्रतीकात्मक संसद) है और 1 नवंबर को हम एक रैली कर रहे हैं, जिसमें पूरे देश से लोग आ रहे हैं। हम लड़ेंगे, क्योंकि लोकतंत्र में जब तक आप संघर्ष नहीं करते, तब तक लोग जागरूक नहीं होते। इसीलिए हम यह सब कर रहे हैं।

एसआईआरः कांग्रेस का बड़ा आरोप- 10 करोड़ वोटरों की जांच में सिर्फ 1600 विदेशी मिले; फिर क्यों कटे लाखों नाम?

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस ने मतदाता सूची में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इसकी साजिश रची और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इसे अंजाम दिया। कांग्रेस के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया का मकसद मतदाता सूची में गड़बड़ियां दूर करना नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों को उनके वोट देने के संवैधानिक अधिकार से वंचित करना है। पार्टी ने स्क्रक रोकने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी दोहराई है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इसके मुताबिक, कर्नाटक, झारखंड, मेघालय, केरल, गोवा और मिजोरम में स्क्रक के दौरान अब तक करीब 1,600 विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है। इन छह राज्यों में लगभग 10 करोड़ लोगों को इस प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। रमेश ने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी कवायद के बाद विदेशी नागरिकों की इतनी कम संख्या सामने आने का क्या मतलब है।

कर्नाटक में हटे 99.7 लाख नाम, 716 विदेशी नागरिक मिले

रमेश ने कर्नाटक का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां मतदाता सूची से करीब 99.7 लाख नाम हटाए गए। इनमें से 716 लोगों की पहचान विदेशी नागरिकों के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि इन 716 लोगों में 545 नेपाल के नागरिक हैं। कांग्रेस का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बावजूद विदेशी नागरिकों की संख्या बहुत कम है। पार्टी ने इसी आधार पर स्क्रककी जरूरत, उसके तरीके और उसके वास्तविक उद्देश्य पर सवाल खड़े किए हैं।

सीईसी के इस्तीफे और एसआईआर रोकने की मांग

कांग्रेस ने एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटने, एसआईआर की प्रक्रिया तत्काल रोकने और ईसीआईएनईटी पोर्टल में बड़े बदलाव करने की मांग की है। रमेश ने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिए आम नागरिकों के मतदान के अधिकार पर असर पड़ सकता है। हालांकि, ये कांग्रेस के आरोप हैं। चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया का बचाव करते हुए कहा है कि वह कानून के दायरे में काम कर रहा है।

गृह मंत्री के दावे पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

जयराम रमेश ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने स्क्रके तीन मुख्य उद्देश्य बताए थे। इनमें घुसपैठियों की पहचान करना, उनके नाम मतदाता सूची से हटाना और उन्हें देश से बाहर निकालना शामिल था। रमेश का सवाल है कि अगर यही इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य था, तो अब तक सामने आए आंकड़े क्या बताते हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के दावों और उपलब्ध आंकड़ों में बड़ा अंतर है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि बाकी 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से ऐसा कोई आंकड़ा सामने नहीं आया, क्योंकि चुनाव आयोग ने इस संबंध में जानकारी जुटाने के निर्देश ही नहीं दिए थे।

श्रीराम वनगमन के मार्मिक मंचन ने नम कीं श्रद्धालुओं की आंखें, आज होगा भव्य भरत मिलाप व सूपनखा नासिका भंग का मंचन

- केवट संवाद में छलकी भक्ति, पुत्र वियोग में राजा दशरथ के प्राण त्यागने के दृश्य ने दर्शकों को किया भावविभोर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में आयोजित श्री रामलीला महोत्सव में गुरुवार शाम श्रीराम वनगमन, केवट संवाद और दशरथ मरण प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों की सजीव प्रस्तुति ने रामभक्तों को भावविभोर कर दिया। श्रीराम के वनगमन प्रसंग ने त्याग, मयार्दा और माता-पिता के वचनों के सम्मान का संदेश दिया। वहीं, केवट संवाद में प्रभु श्रीराम के प्रति केवट की अनन्य भक्ति, प्रेम और समर्पण का सुंदर चित्रण हुआ। केवट की निश्छल श्रद्धा ने दर्शकों को भक्ति की सच्ची भावना से परिचित कराया।

उधर, श्रीराम के वनगमन के वियोग में राजा दशरथ के प्राण त्यागने के मार्मिक दृश्य ने रामलीला परिसर का वातावरण भावुक कर दिया। इस प्रसंग ने पारिवारिक प्रेम, कर्तव्य और वियोग की गहरी अनुभूति कराई। मंचन के दौरान श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाते नजर आए।

कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के संस्थापक श्री बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार एवं अध्यक्ष श्री गिर्राज प्रसाद पाठक सहित डॉ. नौनीहाल कुशवाह, लक्ष्मीकांत उपाध्याय, पप्पू गहलोत, राकेश चौहान, हरिविलास यादव, ओमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, शेर सिंह कुशवाह एवं देवेंद्र गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नही थम रही नलकूपों पर रखे ट्रांसफार्मरों से उपकरण चोरी

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

पिनाहट करीब दो वर्षों से? शायद ही कोई महीना ऐसा गया हो। जिसमें नलकूपों पर रखे ट्रांसफार्मरों से उपकरण चोरी नहीं हुए हो। इतने बड़े गिरोह तक अब तक पुलिस का हाथ नहीं पहुंच पाया है। यही कारण है। कि चोरों के हौंसले बुलंद हैं।

समूचे पिनाहट क्षेत्र में सरकारी और निजी नलकूपों पर रखे ट्रांसफार्मरों के उपकरण लगातार चोरी हो रहै है। बुधवार रात थाना पिनाहट के भदरौली निवासी बिजेंद्र सिंह के निजी नलकूप पर रखे ट्रांसफार्मर को चोरों ने पोलों से नीचे उतारकर उसमें से उपकरण को चोरी कर ले गये। हर महीने या यू कहें कि हर हफ्ते ट्रांसफार्मरों से लगातार उपकरण चोरी हो रहै है। लोग शिकायत कर रहै है। लाखों रू. का नुकसान हो रहा है। किसान परेशान हैं। किन्तु पुलिस पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। इसी कारण चोरों के हौंसले बुलंद हैं। और लगातार चोरियों को अंजाम दे रहै है। किन्तु ट्रांसफार्मर चोरियों की ओर पुलिस का ध्यान ही नहीं है।

विद्युत टॉवर से खेत का रास्ता बाधित होने को लेकर भाकियू ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

तहसील फतेहाबाद के गांव कुतकपुर गुर्जर में सेवानिवृत्त सैनिक एवं किसान राजन सिंह फौजी के खेत तक जाने वाले रास्ते पर पावर ग्रिड का विद्युत टॉवर लगाए जाने से उत्पन्न समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह ने गुरुवार को तहसीलदार फतेहाबाद को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान तहसील प्रशासन व पावर ग्रिड के अधिकारियों, किसान राजन सिंह फौजी तथा भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह एवं फौजी संगठन के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में वार्ता हुई। वार्ता के दौरान किसान के खेत तक आने-जाने के लिए आगे रास्ता बनवाने पर सहमति बनी। इससे किसान को अपने खेत तक पहुंचने में हो रही परेशानी के समाधान की उम्मीद जगी है। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह, वीरभान प्रधान, बीरी सिंह, जोगी गुर्जर, सुनील यादव, रामचित्र एवं प्रवेश सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

वहीं फौजी संगठन की ओर से अरविंद, पूर्व कैप्टन सरनाम सिंह, मोहर सिंह , ओमवीर सिंह सहित अनेक साथी उपस्थित रहे। दोनों संगठनों ने किसान के रास्ते की समस्या को प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया और समाधान की मांग की। संगठनों ने उम्मीद जताई कि बनी सहमति के अनुसार जल्द रास्ते का निर्माण कराया जाएगा, ताकि किसान को अपने खेत तक आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पशु आरोग्य मेले का आयोजन

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के गांव सिलावली में गुरुवार को पशुपालन विभाग की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय विकास खंड स्तरीय पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में पशु चिकित्सकों ने 449 पशुओं का उपचार किया। वहीं, 356 पशुओं को कीटनाशक दवा खिलाई गई।

उपमुख्यपशुचिकित्साधिकारी फतेहाबाद डॉ. सत्येंद्र भाटी ने बताया कि पशुपालन विभाग की ओर से आयोजित पशु आरोग्य मेले में पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार किया गया।

साथ ही पशुओं को बीमारियों और परजीवियों से बचाने के लिए 356 पशुओं को कीटनाशक दवा दी गई। मेले का उद्देश्य पशुपालकों को पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और देखभाल के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान ग्राम प्रधान आदिराम वर्मा, डॉ शेर सिंह चौहान, भूपेंद्र वर्मा, त्रिलोकी सिंह आदि मौजूद रहे।

चलती बाइक में लगी आग, मची अफरा-तफरी, आग बुझाने के दौरान बाइक सवार झुलसा

फतेहाबाद। कस्बा फतेहाबाद में बुधवार दोपहर करीब तीन बजे ब्लॉक कार्यालय के सामने उस समय हड़कंप मच गया, जब सामान खरीदने आए दो लोगों की चलती बाइक में अचानक आग लग गई। बाइक में आग लगते ही सवारों ने कूदकर अपनी जान बचाई। इस दौरान आग बुझाने के प्रयास में सत्यप्रकाश का हाथ झुलस गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय और सत्यप्रकाश बाइक से फतेहाबाद कस्बे में सामान खरीदने

आए थे। इसी दौरान ब्लॉक कार्यालय के सामने चलती बाइक में अचानक आग लग गई। बाइक से आग की लपटें उठती देख दोनों सवार घबरा गए और तत्काल बाइक से नीचे कूद गए। इसके बाद बाइक में आग लगने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सत्यप्रकाश ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उनका हाथ झुलस गया। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पानी डालकर आग बुझाने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

एक्सप्रेसवे पर सवारियों से भरी बस अज्ञात वाहन से टकराई, क्षतिग्रस्त

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के सवारियों से भरी बस अज्ञात वाहन से टकराई। सवारियों में चीख पुकार मच गई हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ। बड़ा हादसा टला।

बस चालक देवेंद्र सिंह पुत्र प्रभूसिंह निवासी गांव घाटा भीम थाना भीम जिला राजसमंद राजस्थान चला था था। उनके साथ परिचालक सरमन सिंह पुत्र बेबी सिंह कंडक्टर अशोक कुमार पुत्र हीरालाल शर्मा निवासी गंगनवाड़ी थाना सिकंदरा जिला दौसा राजस्थान बस में तीस सवारी लेकर गोरखपुर से सूरत गुजरात जा रहे थे। जैसे थाना फतेहाबाद क्षेत्र के

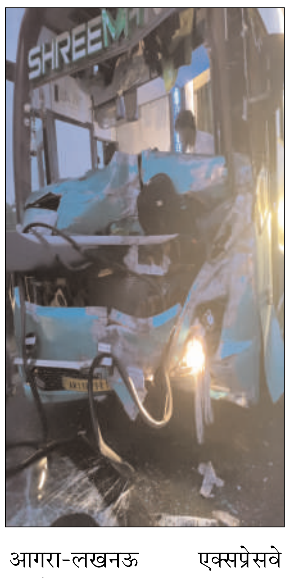

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे किलोमीटर 23.100 पर गुरुवार सुबह 5: 40 बजे के करीब बस की गति अधिक होने के कारण पीछे से आगे चल रहे अज्ञात वाहन से बस टकरा गई।जिससे बस में बैठी सवारियों में चीख पुकार मच गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि बस में बैठी किसी सवारी को कोई चोट नहीं आई।

यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि बस की रफ़्तार अधिक होने के कारण बस पीछे से अज्ञात वाहन से टकरा गई थी। हादसे में बस सवार किसी के कोई चोट नहीं है।बस को क्रेन की सहायता से टोल प्लाजा पर खड़ा करवा दिया गया। वहीं सवारियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया है।

सिलेंडर का रेगुलेटर लीक होने से लगी आग महिला झुलसी

पति के लिए रखा करवा चौथ व्रत, खाना बनाते समय हुआ हादसा

पिनाहट। करवा चौथ पर रखे व्रत को लेकर गैस पर खाना बना रही थी तभी गैस सिलेंडर में लगा रेगुलेटर लुक होने से आग लग गई। जिससे महिला झुलस गयी। स्वजन द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार किया गया।

थाना बासौनी के गांव उमरैठा गांव निवासी माया देवी पत्नी लाखन सिंह उम्र करीब 30 बर्ष गुरुवार शाम करीब पांच बजे अपने घर पर गैस चूल्हे पर खाना बना रही थी। तभी अचानक गैस सिलेंडर का रेगुलेटर लीक हो गया। और उसमें आग लग गई। आग की लपट महिला की साड़ी तक पहुंच गई। जिस महिला ने आग को बुझाने का प्रयास किया जिस पर महिला के दोनों हाथ और चेहरा झुलस गया। परिवार के लोग एकत्रित हो गए उन्होंने आग

को पूरी तरह से बुझाया। तत्काल महिला को सीएचसी पिनाहट में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों द्वारा महिला का इलाज किया गया। गनीमत रही की महिला ज्यादा नहीं झुलसी और उसकी जान बच गई। महिला कहना है कि उसने अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखा था। उसका पति गोवा में रहकर नौकरी करते हैं। त्योहार के दिन भगवान ने उसकी जान बचाई है। वहीं अधीक्षक डॉ प्रमोद कुशवाह ने बताया कि महिला झुलस गई थी। अस्पताल पहुंची तत्काल इलाज किया गया है। जान बच गई है।

ट्रक चालक की हत्या का मास्टरमाइंड पुलिस ने पकड़कर जेल भेजा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

उधार के पैसे मांगने को लेकर सोनू ने रची थी ट्रक चालक की हत्या की साजिश शव के पास से मोबाइल उठाकर लगाया था ठिकाने पुलिस ने पकड़कर जेल भेजा।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव राजापुरा निवासी भोला पुत्र दीवान सिंह की हत्या की परतें खुलती जा रही हैं जहां पकड़े गए आरोपी सोनू पुत्र खेत सिंह निवासी बिजौलकापुरा ने बताया के मृतक भोला के द्वारा उसे तीन-चार बार में एक लाख रुपए उधार दिया था जिसको वह अपने ट्रक की किस्त भरने के लिए बार-बार मांग रहा था तथा घर आकर भी पैसे मांगता था जिससे बेइज्जती होती थी इसी को लेकर हत्या की साजिश रची थी जहां

घटना वाले दिन भोला के द्वारा दो बैटरी ली थी जिसको वह बाइक से घर रखने गया था सोनू पीछे पकड़कर बैठा था और शाम 5:00 बजे के करीब है बैटरी रखकर भोला को अपने साथ लेकर आया था और सभी ने शराब पी तभी सत्येंद्र तोमर उर्फ करुआ के द्वारा भोला को अपने साथ ले जाया गया जिसकी पहले से सोनू ने योजना बना रखी थी करूआ इसकी हत्या कर दे तो मैं तुझे कुछ पैसे दूंगा इसी के तहत करूआ उसे अपने साथ ले गया और उसकी हत्या कर दी तभी कुछ देर बाद सोनू घटनास्थल पर पहुंचा जहां मृतक भोले का मोबाइल बज रहा था जिसे अपने में कब्जे में लेकर उसकी बैटरी निकाल दी और उसको कहीं छुपा दिया पुलिस के द्वारा आरोपी को अरनौटा पुल के पास से पकड़ा और उसकी निशानदेही पर मोबाइल फोन बरामद किया गया और उसे जेल भेजा गया है। पकड़ने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक सागर सिंह, प्रियांशु सिंह, मोहनवीर सिंह ,शुभम धामा सहित आदि मौजूद थे।

आतिशबाजी की दुकानों के लाइसेंस को 31 तक करें आवेदन

फतेहाबाद। दीपावली पर अस्थायी हरित आतिशबाजी की दुकान लगाने के लिए लाइसेंस के आवेदन 31 अक्तूबर तक किए जा सकेंगे। पूर्वी जोन में इच्छुक आवेदकों को पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन कार्यालय में आवेदन करना होगा। आवेदन अधिक होने पर दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि दीपावली को लेकर अस्थायी हरित आतिशबाजी की दुकानों के लाइसेंस के लिए आवेदन प्रक्रिया 29 अक्तूबर से शुरू होकर 31 अक्टूबर तक चलेगी। आवेदन के साथ पांच हजार रुपये की निर्धारित धरोहर धनराशि का बैंक ड्राफ्ट अथवा निर्धारित चालान, आधार कार्ड की छायाप्रति और दो फोटो जमा करना अनिवार्य है। प्रत्येक आवेदक केवल एक स्थल के लिए आवेदन कर सकेगा।दुकानों का आवंटन सुरक्षा मानकों के अनुरूप चयनित खुले स्थानों पर किया जाएगा। आवंटियों को अग्निशमन विभाग की एनओसी लेने के साथ अग्नि सुरक्षा, पानी और बालू की व्यवस्था करनी होगी। विद्युत सुरक्षा समेत अन्य निर्धारित शर्तों का भी पालन करना होगा। लाइसेंसधारक निर्धारित अवधि में केवल अनुमन्य हरित पटाखों की ही बिक्री कर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट, एनजीटी और सक्षम प्राधिकारी के आदेशों के साथ लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सामान खरीद रहे किसान का थैला काटकर एक लाख रुपये किये पार

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

कस्बा फतेहाबाद में बैंक से रुपए निकाल कर सामान खरीद रहे किसान का थैला काटकर एक लाख रुपये पार? कर? दिये, त्योहार सीजन आते ही लुटेरे व जेब कतरे सक्रिय हुए।

थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव महाराजपुर निवासी संजय शर्मा पुत्र नाथूराम ने बताया कि वह गांव में दूध की डेयरी चलाते हैं। गुरुवार को एचडीएफसी बैंक से 1:45 पर 1,40,000 रुपए निकालकर थैले में रख लिए और वह कस्बा के गांधी चौक पर पहुंचे जहां से उन्होंने पेन खरीदे उसके बाद वह मंडी समिति में सब्जी की दुकान से धनिया खरीद कर जब उन्होंने थैले में डालें तो धनिया थैले से नीचे निकल गए। तभी किसान थैला देखा तो वह दो जगह से कटा हुआ था जिसे देखकर किसान के पैरों तले जमीन खिसक गई और उसमें से 500-500 के नोटों की रखी गड्डी गायब थी। तभी पीड़ित ने तुरंत डायल 112 पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची। पीड़ित ने घटना को लेकर थाना फतेहाबाद में तहरीर दी है वहीं पुलिस ने गांधी चौक पर किताब की दुकान पर लगे सीसीटीवी फुटेज को चेक किया तो पीड़ित किसान अपना थैला लिए हुए खड़ा दिखाई दे रहा है तथा उनके पास में दो महिलाएं खड़ी हुई है जिनमें से एक महिला किसान का थैला काटकर उसमें से रुपए निकालती हुई दिखाई दे रही है तथा दूसरी महिला सामान खरीद रही है उसके कुछ समय बाद दोनों ही महिलाएं वहां से रफूचक्कर हो गई।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिलाओं की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

आगरा में 59 अमान्य स्कूलों पर बेसिक शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई: एक-एक लाख का जुमार्ना, तत्काल बंदी के आदेश

- विकास खंड बाह में सबसे ज्यादा 15 अवैध स्कूल संचालित; जैतपुरकलां के 13 और जगनेर के 12 विद्यालय भी गाज की जद में

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद में बिना मान्यता के धड़ल्ले से चलाए जा रहे अवैध स्कूलों के खिलाफ बेसिक शिक्षा विभाग ने बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। विभाग ने जिले के छह विकास खंडों में बिना मान्यता के संचालित पाए गए 59 अमान्य विद्यालयों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए प्रत्येक स्कूल पर एक-एक लाख रुपये का भारी-भरकम जुमार्ना लगाया है। इसके साथ ही इन सभी चिह्नित विद्यालयों का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद कराने के कड़े आदेश जारी किए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की इस अचानक हुई बड़ी कार्रवाई से अवैध रूप से स्कूल चला रहे संचालकों और शिक्षा माफियाओं में हड़कंप मच गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) डॉ. राकेश सिंह ने संबंधित सभी खंड शिक्षाधिकारियों (बीईओ) को सख्त लहजे में निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चिह्नित अमान्य विद्यालयों के खिलाफ नियमानुसार ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया है कि विभागीय अधिकारी मौके पर जाकर सभी 59 विद्यालयों का संचालन तुरंत बंद कराएं और उनसे जुमार्ने की कुल 59 लाख रुपये की राशि की शत-प्रतिशत वसूली करें। कार्रवाई पूरी होने के बाद इसकी विस्तृत और स्पष्ट अनुपालन रिपोर्ट भी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

विभाग द्वारा की गई गहन जांच की ब्लॉकवार सूची में विकास खंड बाह सबसे ऊपर रहा है, जहां सबसे ज्यादा 15 विद्यालयों को अमान्य श्रेणी में चिह्नित किया गया है। इसके अलावा विकास खंड जैतपुरकलां में 13, जगनेर में 12 और खेरागढ़ में 10 अमान्य विद्यालयों के खिलाफ कड़े कदम उठाने के निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं फतेहपुर सीकरी में 5 और अछनेरा में 4 विद्यालय बिना किसी वैध मान्यता के चलते हुए पाए गए हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, बिना किसी वैधानिक मान्यता के विद्यालय संचालित करना 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009' और 'उत्तर प्रदेश शिक्षा का अधिकार नियमावली, 2011' के स्पष्ट प्रावधानों का सीधा उल्लंघन है। इसी आधार पर इन सभी अमान्य विद्यालयों के खिलाफ यह दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि यह कार्रवाई केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि धरातल पर अवैध स्कूलों को बंद कराकर जुमार्ने की वसूली सुनिश्चित की जाए, ताकि जिले में शिक्षा के नाम पर हो रहे खिलवाड़ पर पूरी तरह विराम लग सके।

पीईटी परीक्षा के चलते आज कक्षा 1 से 12 तक के सभी स्कूल बंद

आगरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा के मद्देनजर आगरा जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। परीक्षा के दौरान सुरक्षा और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए जनपद में कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र पाल सिंह तोमर की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यह अवकाश जिले के सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, तथा सीबीएसई आईसीएससी समेत अन्य सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर भी सख्ती से लागू रहेगा।

प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आगरा में पीईटी परीक्षा के लिए कुल 49 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा—प्रथम पाली सुबह 10 :00 बजे से दोपहर 12 :00 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 3 :00 बजे से शाम 5 :00 बजे तक संचालित होगी। परीक्षा में हजारों परीक्षार्थियों के शामिल होने की संभावना है, जिसे देखते हुए यातायात व्यवस्था और भीड़भाड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यह प्रशासनिक कदम उठाया गया है।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान का किया शुभारंभ

- 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए चलेगा व्यापक जागरूकता अभियान
- सर्वाधिक युवा मतदाता पंजीकृत कराने वाले शैक्षणिक संस्थान 24 जनवरी को होंगे सम्मानित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक की जागरूक और जिम्मेदार भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान की शुरूआत की गई है। इस कड़ी में जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने विश्वविद्यालय, स्कूल-कॉलेजों के प्राचार्यों, शिक्षकों, विभिन्न एसोसिएशनों और शैक्षिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद बैठक की।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी स्कूल और कॉलेजों में 'निर्वाचन साक्षरता क्लब' (एछउ) का गठन करने तथा 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं की सुविधा के लिए समर्पित हेल्प डेस्क खोलने का आह्वान किया। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों की सुबह की प्रार्थना सभा (असेंबली) में नियमित रूप से मतदाता जागरूकता अभियान चलाने की अपील की। अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए घोषणा की गई कि जनपद में सर्वाधिक युवा मतदाताओं का पंजीकरण कराने वाले स्कूल और कॉलेजों को आगामी 24 जनवरी को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

कूड़ा गाड़ियों और चौराहों के साउंड सिस्टम से गूंजेगा जागरूकता संदेश

जिलाधिकारी ने शहर में जन-जागरूकता को गति देने के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि कूड़ा कलेक्शन गाड़ियों और शहर के प्रमुख चौराहों पर लगे पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से मतदाता जागरूकता संदेशों का निरंतर प्रसारण कराया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

12 नवंबर को ड्राफ्ट रोल और 4 जनवरी 2027 को अंतिम प्रकाशन

विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के मुख्य तिथियों की जानकारी देते हुए बताया गया कि आगामी 12 नवंबर 2026 को मतदाता सूची के ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद प्राप्त दावों और आपत्तियों का निस्तारण करते हुए 4 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन संपन्न होगा। प्रशासन ने सभी पात्र युवाओं से समय रहते अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की अपील की है।

विधिक सेवा शिविर हेतु पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की समन्वय बैठक संपन्न

- अपर जिला जज/नोडल अधिकारी अमरजीत की अध्यक्षता में तैयारियों की समीक्षा; सभी विभागों को आपसी तालमेल से कार्य करने के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दीवानी न्यायालय परिसर स्थित सभागार कक्ष में गुरुवार को 1 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले 'बृहद विधिक सेवा एवं मेगा शिविर' के सफल व सुव्यवस्थित आयोजन के संबंध में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। अपर जिला जज व नोडल अधिकारी अमरजीत की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जनपद के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रस्तावित मेगा शिविर के माध्यम से आमजन को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने और पात्र लाभार्थियों तक विधिक सहायता व सरकारी सेवाएं प्रभावी रूप से पहुँचाने की तैयारियों की समीक्षा करना रहा। इस दौरान विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने, योजनाओं के पात्र लाभार्थियों की पहचान करने, शिविर में अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने तथा समयबद्ध व्यवस्थाएं पूर्ण करने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

नोडल अधिकारी अमरजीत ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें ताकि 1 नवंबर को आयोजित होने वाले शिविर में अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का त्वरित लाभ मिल सके और कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्ण हो सके।

पंजाब नेशनल बैंक अंचल कार्यालय द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर वॉकथॉन का आयोजन

भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति और पारदर्शिता का दिया संदेश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के अंचल कार्यालय, आगरा द्वारा सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक भव्य वॉकथॉन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अंचल प्रबंधक अंजू मित्तल, उप अंचल प्रबंधक कृष्ण कुमार, उप अंचल प्रबंधक अनिल कुमार अनल, आंचलिक लेखापरीक्षा कार्यालय प्रमुख रजनीश कुमार पांडेय और आगरा मंडल प्रमुख संजय कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इनके साथ ही बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह के साथ वॉकथॉन में हिस्सा लिया तथा ईमानदारी, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के मूल्यों को अपने दैनिक कार्यव्यवहार में अपनाने का संकल्प लिया।

वॉकथॉन के दौरान प्रतिभागियों ने समाज में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता फैलाने, सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा को प्रोत्साहित करने तथा अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी व निष्ठा के साथ करने का संदेश दिया। इस पहल के जरिए पंजाब नेशनल बैंक ने एक भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था के निर्माण और नैतिक मूल्यों के प्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

ट्रेन दुर्घटना में मृत महिला के पति को मिला 2 लाख का बीमा क्लेम

एसबीआई रुनकता शाखा ने प्रक्रिया पूरी कर स्वर्गीय शकुंतला के पति भूरी सिंह को सौंपी बीमा राशि

टीएनएफ टुडे, आगरा।

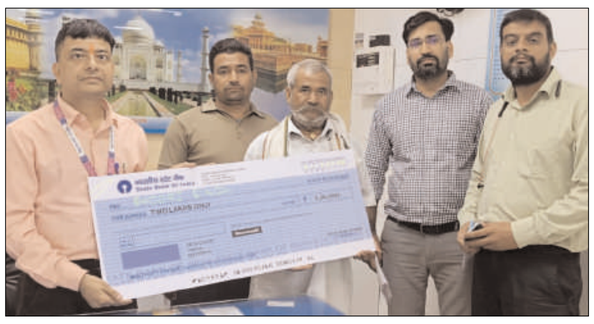

केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' आम जनमानस के लिए संकट के समय में एक बड़ा आर्थिक सहारा साबित हो रही है। इसी क्रम में भारतीय स्टेट बैंक (रङ्क) की रुनकता शाखा द्वारा योजना के तहत स्वर्गीय शकुंतला के पति भूरी सिंह को 2,00,000 (दो लाख रुपये) की बीमा क्लेम राशि सफलतापूर्वक प्रदान की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शकुंतला का बीती 14 जून 2026 को एक दुखद ट्रेन दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया था। इस अप्रत्याशित हादसे के बाद योजना के नियमानुसार उनके पति भूरी सिंह द्वारा बैंक में बीमा क्लेम का आवेदन प्रस्तुत किया गया। एसबीआई रुनकता शाखा ने संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही दिखाते हुए 28 अक्टूबर 2026 को क्लेम से संबंधित सभी कागजी प्रक्रियाएं पूरी कीं और 2 लाख रुपये की पूरी बीमा राशि स्वीकृत कर हस्तांतरित कर दी।

इस क्लेम की प्रक्रिया को समयबद्ध और सुचारु रूप से संपन्न कराने में एसबीआई रुनकता के शाखा प्रबंधक राजीव कुमार शर्मा, लेखाकार नीरज पाठक तथा फील्ड ऑफिसर ऋषि शर्मा का विशेष योगदान एवं सराहनीय सहयोग रहा।

आगरा में यमुना नदी को समृद्ध बनाने की अनूठी पहल

पोइया घाट पर छोड़ी गईं 50 हजार मत्स्य अंगुलिकाएं, जलीय जैव विविधता को मिलेगा बढ़ावा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजनगरी आगरा में यमुना नदी के जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और मत्स्य संसाधनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। दयालबाग स्थित ऐतिहासिक पोइया घाट पर 'रिवर रैंचिंग' कार्यक्रम के तहत भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 50 हजार मत्स्य अंगुलिकाओं (मछलियों के छोटे बच्चों) को यमुना नदी में प्रवाहित किया गया।

इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नदी में मछलियों की संख्या में इजाफा करना, जलीय जैव विविधता का संरक्षण करना और नदी पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर स्थानीय मत्स्यजीवियों को संबल प्रदान करना है। पर्यावरणविदों का मानना है कि इस तरह के प्रयासों से नदी के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में बड़ी मदद मिलती है।

जलीय संतुलन और प्रदूषण नियंत्रण पर जोर

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि यमुना केवल आगरा की आस्था और संस्कृति का प्रतीक ही नहीं, बल्कि एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है। नदी में मछलियों और अन्य जलीय जीवों की उपस्थिति पानी की गुणवत्ता और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।

विशेषज्ञों ने यह भी रेखांकित किया कि केवल मछलियों को नदी में छोड़ने भर से ही उद्देश्य पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके साथ-साथ नदी को औद्योगिक अपशिष्ट और घरेलू सीवेज से बचाने के लिए कठोर कदम उठाने होंगे। स्वच्छ जल का प्रवाह, प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण और जलीय जीवों के लिए सुरक्षित प्राकृतिक आवास सुनिश्चित करके ही नदी का दीर्घकालिक संरक्षण संभव है। इस पहल के माध्यम से आम नागरिकों और सामाजिक संगठनों से भी यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई।

करवा चौथ की खुशियां मातम में बदलीं: खरीदारी कर लौट रही मां और दो वर्षीय बेटे की दर्दनाक मौत

आगरा। ताजनगरी आगरा में पर्व की तैयारियों के बीच एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। आगरा-मथुरा हाईवे पर अरतौनी के पास करवा चौथ का सामान खरीदकर घर लौट रही एक महिला और उसके दो वर्षीय मासूम बेटे को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में मां और बेटे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनकी चार वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतका के परिवार में कोहराम मच गया है और त्योहार की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अरतौनी निवासी 30 वर्षीय मंजू पत्नी आकाश सिकंदरा बाजार से करवा चौथ पर्व की खरीदारी करने के बाद अपने दो वर्षीय बेटे वंश और बेटी आकांक्षा के साथ वापस घर लौट रही थीं। जैसे ही वे अरतौनी के पास हाईवे की रेलिंग में बने कट से सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज गति से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मंजू और उनका मासूम बेटा वंश हवा में उछलकर दूर जा गिरे, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बेटी आकांक्षा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बच्ची को तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। जिस घर में करवा चौथ के पर्व को लेकर उत्साह और उल्लास का माहौल था, वहां अचानक पसरे मातम ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा अज्ञात कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

एमडीआर टीबी मरीज अब छह माह में हो सकेंगे स्वस्थ

- बीपाल-एम रेजिमेन से आगरा में हो रहा एमडीआर टीबी मरीजों का उपचार
- आगरा में चले पायलट प्रोजेक्ट में 92 प्रतिशत रहा ट्रीटमेंट सक्सेज रेट

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अब एमडीआर (ड्रग रेजिस्टेंट टीबी) मरीजों को सालों साल दवाएं नहीं खानी पड़ेंगी। वह अब कम दवाएं खाकर छह माह में ही स्वस्थ हो सकेगा। इसके लिए बीपाल-एम (इढंछ ट) रेजिमेन पद्धति के तहत आगरा में पायलट प्रोजेक्ट संचालित किया गया, जो कि सफल हुआ है। इसमें ट्रीटमेंट सक्सेज रेट 92 प्रतिशत आया है। अब आगरा में इसी पद्धति से एमडीआर टीबी मरीजों का उपचार किया जा रहा है। यह जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सुखेश गुप्ता ने दी।

डीटीओ ने बताया कि देश में एमडीआर टीबी के इलाज के लिए बीपाल-एम रेजिमेन को प्राथमिकता दी जा रही है। यह पीएमडीटी के तहत डब्लूएचओ द्वारा अनुशंसित नवीनतम रेजिमेन है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत यह दवा-प्रतिरोधी टीबी के पात्र मरीजों के उपचार के लिए एक महत्वपूर्ण आधुनिक विकल्प है। आगरा में अक्तूबर 2021 से सितंबर 2024 तक बीपाल-एम रेजिमन के लिए पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया था, इसमें 220 पुरुष और 190 महिला पात्र मरीजों का उपचार किया गया था, जिसमें 92 प्रतिशत ट्रीटमेंट सक्सेज रेट हासिल हुई थी। आगरा में 24 मार्च 2025 से बीपाल-एम रेजिमेन के द्वारा एमडीआर टीबी मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

डीटीओ ने बताया कि बीपाल-एम, चार दवाओं का संयोजन है, बेडाक्विलीन, प्रीटोमैनिड, लाइनजोलिड और मोक्सीफ्लॉक्सासिन। एमडीआर के पुराने इलाज में मरीज को लगभग 18 माह तक कई दवाएं खानी पड़ती थीं। लेकिन बीपाल-एम पद्धति से केवल छह माह तक दवाओं का सेवन करना पड़ता है, पहले रोजाना कई गोलियां खानी पड़ती थी जबकि इस पद्धति में रोजाना केवल चार गोली रोजाना खानी पड़ती हैं। यह इलाज पूरी तरह से ओरल है इसमें कोई इंजेक्शन नहीं देना पड़ता है। इससे मरीज को काफी सहूलियत होती है।

टीबी मुक्त भारत अभियान में यह एक नई उपलब्धि है। अब एमडीआर टीबी मरीजों का उपचार जल्द और आसान तरीके से हो सकेगा। बीपाल-एम पद्धति से उपचार के दौरान नियमित चिकित्सकीय निगरानी आवश्यक है और केवल पात्र मरीजों को ही यह ट्रीटमेंट दिया जाता है।

- डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आगरा

चार दवाओं का संयोजन है बीपाल-एम

- पहले 18 माह तक एमडीआर टीबी मरीजों को खानी पड़ती थी दवा
- अब छह माह तक केवल रोजाना चार गोली खाकर ही मरीज हो जाता है स्वस्थ
- आगरा में चले पायलट प्रोजेक्ट में 92 प्रतिशत रहा ट्रीटमेंट सक्सेज रेट

क्या है एमडीआर टीबी

मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस या एमडीआर टीबी का एक ऐसा प्रकार है, जिसमें टीबी पैदा करने वाले बैक्टीरिया पर टीबी की कम-से-कम दो प्रमुख दवाएँ – आइसोनियाज़िड (करङ्ख्ल्लंश्1) और रिफैम्पिसिन (प्रंस्रूल्ल) – असर नहीं करती हैं। टीबी का इलाज बीच में छोड़ने से यह विकसित हो जाता है। इसमें टीबी के बैक्टीरिया में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है। टीबी की दवाएँ अनियमित रूप से लेने या इलाज बीच में छोड़ने से इसका खतरा बढ़ सकता है।

एमडीआर टीबी के लक्षण

- दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खाँसी रहना।
- खाँसी में बलगम या खून आना।
- बुखार और रात में पसीना आना।
- वजन कम होना और भूख न लगना।
- कमजोरी और थकान महसूस होना।

खेत से ट्रैक्टर निकालने का विरोध करने पर महिला से मारपीट का आरोप

पिनाहट। थाना पिनाहट क्षेत्र की ग्राम पंचायत विप्रावली में खेत से ट्रैक्टर निकालने का विरोध करने पर महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़िता ने थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

महिला का आरोप है कि कुछ लोग उसके खेत से होकर ट्रैक्टर निकाल रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट कर दी। पीड़िता ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

एसीपी पिनाहट अनिल कुमार का कहना है प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच की जा रही है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

पूर्वी तट पर चक्रवात के भीषण तांडव का कहर, मौसम के बदलते खतरनाक तेवर

बंगाल की खाड़ी से उठकर भारत के पूर्वी तटीय क्षेत्रों में भारी तबाही मचाने वाला शक्तिशाली चक्रवाती तूफान प्रकृति के एक बार फिर से बेहद आक्रामक और विकराल रूप का अहसास करा रहा है। समुद्र की उठती ऊंची और खतरनाक लहरों, तेज हवाओं के थपेड़ों तथा लगातार बरस रही मूसलाधार बारिश ने तटीय इलाकों के जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त करके रख दिया है। हजारों गरीब और बेबस लोगों को अपने आशियाने छोड़कर सुरक्षित राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ रही है जबकि किसानों की महीनों की मेहनत से तैयार खड़ी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी हैं। किंतु इस भयंकर तबाही के बीच सबसे बड़ा और गंभीर प्रश्न यह खड़ा होता है कि विज्ञान और तकनीक के इस तथाकथित आधुनिक युग में भी हम हर बार प्राकृतिक आपदा आने के बाद ही क्यों जागते हैं। प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभागों की तरफ से जितने भी बड़े-बड़े दावे और रेड अलर्ट के फरमान जारी किए जाते हैं वे जमीनी स्तर पर राहत कार्यों के दौरान अक्सर कागजी साबित होते हैं। मौसम के बदलते और अत्यधिक खतरनाक तेवर यह साफ-साफ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हमने अब भी पर्यावरण संरक्षण, अनियंत्रित वनों की कटाई और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण को प्राथमिकता नहीं दी तो यह संकट भविष्य में और भयानक रूप ले लेगा। सरकार और नीति-नियंताओं को केवल आपदा आने के समय कुछ दिनों की खानापूर्ति करने और मुआवजे के झूठे आश्वासन बांटने की अपनी पुरानी आदत से पूरी तरह बाहर निकलना होगा। आवश्यकता इस बात की है कि तटीय क्षेत्रों में स्थायी और मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किए जाएं तथा समय रहते आपदा से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित अचूक व्यवस्था बनाई जाए। यदि समय रहते प्रशासन और हुक्मरानों ने पूरी संवेदनशीलता का परिचय नहीं दिया तो गरीब जनता इसी तरह हर साल प्रकृति के कोपभाजन का शिकार बनती रहेगी और हम केवल तमाशा देखते रह जाएंगे।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

एक राजा के लिए जब पाताल लोक में द्वारपाल बन गए थे भगवान

श्रीमद्भागवत महापुराण और वामन पुराण के पावन इतिहास में महाबली असुरराज असुरराज बलि की असीम उदारता, अटूट सत्यनिष्ठा और सर्वोच्च समर्पण की यह अमर कथा संपूर्ण मानव समाज के लिए भक्ति और त्याग की पराकाष्ठा प्रस्तुत करती है।

प्राचीन काल में दैत्यराज विरोचन के पुत्र महाबली बलि अपनी दानशीलता, प्रजापालक स्वभाव और न्यायप्रियता के बल पर तीनों लोकों के स्वामी बन गए थे। बलि के इस बढ़ते हुए प्रभाव और यज्ञों के अनुष्ठान से भयभीत होकर सभी देवता अपनी रक्षा की गुहार लगाने के लिए जगत के पालनहार भगवान विष्णु के पास पहुंचे।

भक्तवत्सल भगवान विष्णु ने देवताओं के कल्याण के लिए महर्षि कश्यप और अदिति के घर वामन यानी बौने ब्राह्मण के रूप में अद्भुत अवतार धारण किया। बाल ब्रह्मचारी वामन रूप में भगवान श्री हरि राजा बलि के विशाल यज्ञ मंडप में पहुंचे और उनसे भिक्षा के रूप में केवल तीन पग भूमि देने का आग्रह किया।

बलि के गुरु शुक्राचार्य तुरंत पहचान गए कि यह साधारण बालक नहीं बल्कि स्वयं नारायण हैं और उन्होंने बलि को दान देने से मना कर दिया।

किंतु वचन और सत्य के पक्के महाबली बलि ने अपने गुरु की बात को टालते हुए कहा कि यदि स्वयं भगवान याचक बनकर आए हैं तो इससे बड़ा सौभाग्य और क्या हो सकता है।

वामन भगवान ने अपने विराट रूप का विस्तार करते हुए पहले पग में पूरी पृथ्वी और दूसरे पग में सारा अंतरिक्ष तथा आकाश नाप लिया।

जब तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान शेष नहीं बचा तब महाबली बलि ने बिना एक पल की देरी किए अपना सिर भगवान के चरणों में झुका दिया।

बलि की इस अद्वितीय और निस्वार्थ समर्पण भावना से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक का आधिपत्य प्रदान किया तथा स्वयं उनके द्वारपाल बनकर पहरा देना स्वीकार कर लिया।

यह पावन प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि अहंकार का त्याग और भगवान के चरणों में पूर्ण समर्पण करने वाले भक्त की रक्षा स्वयं ईश्वर हर परिस्थिति में करते हैं।

हक की लड़ाई या रिश्तों की तबाही?

बृज खंडेलवाल

एक कचौरी, दो समोसे, मर्दों का क्या भरोसा!
एक सिगरेट, दो चाय, मर्द जात हाय-हाय!
एक जीरा, दो अजवाइन, मर्द समाज इस्तीफा दे!
आलू लो, पूरी लो, मर्द जात से दूरी लो!
चाय गरम, दूध गरम, मर्द जात बेशरम!
हमारी स्कर्ट नहीं है छोटी, इन मर्दों की सोच है छोटी!
मेरे सिर में दर्द है, इसका कारण मर्द है!
शर्म नहीं है मर्दों में, औरत क्यों है पर्दों में?
दो कबाब, एक बिरयानी, हर मर्द की अलग कहानी!
एक पराठा, एक अचार, मर्द समाज बेकार!

वाह! क्या क्रांति है! कचौरी से शुरू होकर बिरयानी पर खत्म! अगर यही नारी मुक्ति का नया घोषणापत्र है, तो इंसाफ की अदालत में समोसे तलने की तैयारी कर लीजिए।

सवाल यह नहीं कि औरतें नारे क्यों लगा रही हैं। सवाल यह है कि बराबरी की लड़ाई में पूरे वर्ग को कटघरे में खड़ा करना कहाँ तक जायज है?

बराबरी चाहिए, बदला नहीं। अधिकार चाहिए, मगर जिम्मेदारी से मुँह मोड़कर नहीं। जरा एक तस्वीर देखिए। रात के तीन बजे हैं। घर के दरवाजे पर पुलिस दस्तक देती है। सत्तर साल के बुजुर्ग ससुर दिल के मरीज हैं। सास के हाथ काँप रहे हैं। तभी शादीशुदा ननद का फोन आता है। उसे पता चलता है कि उसके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हो गया है।

जिस परिवार ने बरसों में इज्जत कमाई, उसकी साख एक झटके में मिट्टी में मिल जाती है। पड़ोसी कानाफूसी करने लगते हैं। रिश्तेदार फोन उठाना बंद कर देते हैं। अदालत के चक्कर शुरू होते हैं। पैसा, वक्त और सुकून, सबकी बलि चढ़ने लगती है।

यह किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि वैवाहिक विवादों में सामने आने वाली कुछ शिकायतों की तस्वीर है। नारीवाद का मकसद औरत को बराबरी, सम्मान, सुरक्षा और अपने फैसले लेने की आजादी देना है। इस बुनियादी हक पर किसी को ऐतराज नहीं होना चाहिए। लेकिन आजादी का मतलब मनमानी हो जाए और सशक्तिकरण के नाम पर किसी को बेइज्जत करना जायज मान लिया जाए, तो सवाल उठेंगे ही।

आखिर बराबरी का मतलब क्या है? अपने अधिकारों की सूची याद रखना और अपने फर्ज. का पन्ना फाड़ देना? इंसाफ का तकाजा है कि हक भी मिले और जिम्मेदारी भी निभाई जाए। घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के खिलाफ कानून महिलाओं के लिए जरूरी सुरक्षा कवच हैं। इन कानूनों ने अनेक पीड़ित महिलाओं को इंसाफ पाने का रास्ता दिया है। मगर किसी भी कानून के दुरुपयोग की आशंका को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

पहले भारतीय दंड संहिता की धारा 498A के तहत पति और उसके रिश्तेदारों पर क्रूरता के आरोपों से जुड़े मामले दर्ज होते थे। अब भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 85 और 86 इस विषय से संबंधित हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य मामले में गिरफ्तारी को लेकर अहम निर्देश दिए थे। अदालत ने साफ किया कि ऐसे मामलों में गिरफ्तारी अपने आप नहीं होनी चाहिए। कानून की शर्तों और जरूरी प्रक्रिया का पालन करना होगा।

कुछ वैवाहिक विवादों में पति के साथ सास-ससुर, भाई-बहन और दूसरे रिश्तेदार भी आरोपों के घेरे में आ जाते हैं। अदालतों ने कई मामलों में बेवजह रिश्तेदारों को घसीटने पर चिंता जताई है।

आजकल सड़क, मेट्रो और कॉलेजों में होने वाले झगड़ों के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब घूमते हैं। कहीं थप्पड़ बरस रहे हैं, कहीं चप्पल चल रही है। फिर वीडियो वायरल होता है और कमेंटों की अदालत सज जाती है।

क्या किसी को थप्पड़ मार देना आजादी का प्रमाणपत्र है? क्या दूसरे को अपमानित करना अपने अधिकारों का इस्तेमाल है?

अगर पुरुष हाथ उठाए, तो उसे हिंसा कहते हैं। महिला हाथ उठाए, तो क्या उसे बहादुरी का तमगा मिलना चाहिए?

बराबरी का मतलब यह नहीं कि महिलाओं को भी वही गलतियां करने की छूट मिले, जिनके लिए पुरुषों की आलोचना होती है।

तलाक और वैवाहिक विवादों में गुजारा भत्ता अक्सर बहस का बड़ा मुद्दा बन जाता है। अदालतें पति-पत्नी की आमदनी, जरूरतों, संपत्ति और दूसरी परिस्थितियों पर विचार करती हैं।

लेकिन जब किसी पक्ष को लगता है कि उसकी आर्थिक हालत का सही आकलन नहीं हुआ, तो नाराजगी बढ़ती है। पति को डर रहता है कि उसकी जिंदगी भर की कमाई और भविष्य की बचत खत्म हो जाएगी। पत्नी को चिंता होती है कि अलग होने के बाद उसका और बच्चों का खर्च कैसे चलेगा।

दोनों की चिंताएँ वास्तविक हो सकती हैं। इसलिए फैसला किसी एक पक्ष की कहानी सुनकर नहीं होना चाहिए। पत्नी की आमदनी और जरूरतें देखी जाएँ। पति की कमाई, जिम्मेदारियाँ और भुगतान की क्षमता भी परखी जाए।

गुजारा भत्ता न किसी को सजा देने का तरीका है, न जरूरतमंद को बेसहारा छोड़ने का बहाना। मकसद होना चाहिए कि अलग होने के बाद भी दोनों पक्ष सम्मान से जी सकें।

आखिर माता-पिता की लड़ाई में बच्चों का क्या कसूर?

मीटू (Me Too) आंदोलन ने यौन उत्पीड़न झेलने वाली अनेक महिलाओं को अपनी बात कहने का हौसला दिया। जिन मामलों में पीड़िताएँ डर, दबाव या बदनामी के कारण चुप रहती थीं, वहाँ इस आंदोलन ने बहस को नई दिशा दी।

यह उसकी बड़ी उपलब्धि है। लेकिन सोशल मीडिया पर किसी पर आरोप लगते ही उसे दोषी मान लेना भी खतरनाक है। कुछ मामलों में आरोपों को लेकर विवाद सामने आए हैं। इसलिए हर शिकायत की गंभीरता से जाँच होनी चाहिए।

किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, नौकरी और परिवार दाँव पर लग सकते हैं। आरोप सही हों, तो कार्रवाई होनी चाहिए। आरोप गलत साबित हों, तो कानून के मुताबिक राहत का रास्ता भी खुला रहना चाहिए।

सोशल मीडिया की अदालत में फैसला सुनाना आसान है। लेकिन वहाँ न गवाहों की पूरी जाँच होती है, न बचाव का मुकम्मल मौका मिलता है। वायरल पोस्ट से किसी की जिंदगी पर मुहर लगा देना इंसाफ नहीं है।

पति-पत्नी के झगड़े में सबसे ज्यादा चोट बच्चों को लगती है। कभी उन्हें माँ और पिता के बीच चुनाव करने को मजबूर किया जाता है। कभी मिलने-जुलने पर रोक लगती है। कभी बच्चे को दूसरे पक्ष पर दबाव बनाने का जरिया बना दिया जाता है।

यह कैसी जीत है, जिसमें बच्चे का बचपन हार जाए?

आधुनिक जीवन में निजी आजादी और आत्मनिर्भरता की अहमियत बढ़ी है। मगर परिवार में जिम्मेदारी और आपसी सहयोग भी जरूरी हैं। परंपरा के नाम पर महिलाओं को दबाना गलत है। आजादी के नाम पर हर रिश्ते को बोझ समझ लेना भी समझदारी नहीं है। रिश्ते तभी टिकते हैं, जब उनमें सम्मान, संवाद और जिम्मेदारी हो।

कर्नाटक की सेवानिवृत्त स्कूल प्रिंसिपल शोभा कहती हैं, ''घरेलू हिंसा की असली शिकायतों को हल्के में लेना उतना ही गलत है। जिस महिला पर जुल्म हुआ है, उसे इंसाफ जरूर मिलना चाहिए। लेकिन हर आरोप की निष्पक्ष जाँच भी जरूरी है। महिला आयोगों और अदालतों का काम न्याय दिलाना है, किसी एक पक्ष को आँख मूँदकर सही ठहराना नहीं।''

समाजसेवी पद्मिनी अय्यर कहती हैं कि पश्चिम की नकल करना आधुनिकता की शर्त नहीं है। ''औरत की आजादी सिर्फ कपड़े पहनने, खानपान या शादी का फैसला करने तक सीमित नहीं है। पढ़ाई, नौकरी, आर्थिक आत्मनिर्भरता और अपनी पसंद की जिंदगी जीना भी उसका बुनियादी हक है। किसी दूसरे धर्म या समुदाय में शादी करने से कोई महिला संस्कारहीन नहीं हो जाती। असली कसौटी उसका किरदार, ईमानदारी और दूसरों के प्रति सम्मान है।''

उनकी बात में एक जरूरी सवाल छिपा है। हम महिलाओं की आजादी को आखिर किस तराजू पर तौलते हैं? कपड़ों से, खानपान से, शादी से या उनके हुनर, आत्मसम्मान और फैसले लेने की ताकत से?

पब्लिक कमेंटेटर प्रोफेसर पारसनाथ चौधरी कहते हैं, ''दिक्कत नारीवाद में नहीं है। दिक्कत उस सोच में है, जो उसके नाम पर हिंसा, बेइज्जती, झूठे इल्जाम और गैर-जिम्मेदारी को सही ठहराती है। इसी तरह, परंपरा बचाने के नाम पर महिलाओं की आजादी कुचलना भी गलत है।''

सामाजिक कार्यकर्ता मुक्ता का मानना है कि समाज को न अंधा नारीवाद चाहिए, न अंधी मदार्ना हुकूमत। उसे चाहिए बराबरी का हक, आपसी इज्जत और साझा जिम्मेदारी।

बात बिल्कुल सीधी है। मर्दों की हर गलती का ठीकरा पूरी मर्द जात पर फोड़ना कहाँ का इंसाफ है? और महिलाओं के हर आरोप को शक की निगाह से देखना भी कौन-सी समझदारी है?

नारीवाद का मतलब मर्दों से नफरत करना नहीं है। इसका मकसद उस व्यवस्था को बदलना है, जिसमें किसी महिला को सिर्फ महिला होने के कारण कमतर समझा जाता है। उसी तरह, पुरुष होने का मतलब किसी को दबाने का लाइसेंस नहीं है।

संस्कार भाषणों से नहीं, आचरण से झलकते हैं। इंसाफ का तराजू तभी संतुलित रहेगा, जब शिकायत की सुनवाई गंभीरता से हो, जाँच निष्पक्ष हो और दोष साबित होने पर कानून के मुताबिक कार्रवाई हो।

औरत को दबाना भी गलत है, मर्द को बिना सुने दोषी ठहराना भी।

कचौरी, समोसे और बिरयानी वाले नारे कुछ देर हँसा सकते हैं। मगर बराबरी की लड़ाई को ठोस मुद्दों, बेहतर कानून और जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत है।

आखिर समाज को चाहिए क्या? आधी आबादी की आजादी या आधी दुनिया से दुश्मनी? पुरुषों का वर्चस्व या महिलाओं का पलटवार?

यूजीसी के जातिगत भेदभाव एवं समानता संबंधी नियमों पर भाजपा नीत सरकार को गहनता से विचार करने की आवश्यकता

आदित्य पंडित, संस्थापक/अध्यक्ष, हिन्दू छात्र वाहिनी

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था आज केवल डिग्री और रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता संवैधानिक मूल्यों और देश की भावी पीढ़ी के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के जातिगत भेदभाव एवं समानता संबंधी नियम इसी व्यवस्था से जुड़े हुए हैं। इन नियमों का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में भेदभाव को रोकना और विद्यार्थियों को सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। लेकिन जब किसी नीति को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों में गंभीर प्रश्न उठने लगें, तो उसकी निष्पक्ष समीक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी बन जाती है। वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व और केंद्र सरकार को इस विषय पर गंभीरता, संवेदनशीलता तथा दूरदर्शिता के साथ विचार करने की आवश्यकता है। भाजपा ने यूजीसी को लेकर 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए भाजपा के अनुसार इनका उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव को रोकना और समानता को बढ़ावा देना था परंतु इन नियमों की कुछ परिभाषाओं और प्रावधानों को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। विशेष रूप से जातिगत भेदभाव की परिभाषा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के उल्लेख को लेकर यह प्रश्न उठा कि क्या सामान्य वर्ग के विद्यार्थी भी जाति आधारित भेदभाव की स्थिति में समान स्तर की संस्थागत सुरक्षा प्राप्त कर सकेंगे इसी विषय को लेकर 29 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने नियमों को अंतरिम रूप से स्थगित करते हुए 2012 के नियमों को आगे लागू रखने का निर्देश दिया न्यायालय ने कुछ प्रावधानों में अस्पष्टता और संभावित दुरुपयोग की आशंका पर भी विचार करने की आवश्यकता जताई यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है

आदित्य पंडित

कि समानता से जुड़े नियमों का उद्देश्य जितना महत्वपूर्ण है, उनकी भाषा, प्रक्रिया और व्यावहारिक प्रभाव भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं भारत में जातिगत भेदभाव एक गंभीर सामाजिक चुनौती रही है। ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों के विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में सम्मान, अवसर और सुरक्षा उपलब्ध कराना आवश्यक है। किसी भी विद्यार्थी को उसकी जाति के कारण अपमान, उत्पीड़न या अवसरों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए एवं साथ ही यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि किसी दूसरे विद्यार्थी को उसकी जाति या सामाजिक श्रेणी के कारण शिकायत दर्ज कराने अथवा निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार से वंचित न किया जाए। सरकार को ऐसी व्यवस्था तैयार करनी चाहिए जिसमें वास्तविक पीड़ित को प्रभावी संरक्षण मिले, शिकायतों की निष्पक्ष जाँच हो और किसी भी व्यक्ति को बिना उचित प्रक्रिया के दोषी न माना जाए भारतीय जनता पार्टी की सरकार के सामने इस विषय पर दो चुनौतियां हैं। पहली वंचित वर्गों के विद्यार्थियों को जातिगत भेदभाव से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करना एवं दूसरी उच्च शिक्षा संस्थानों में सभी विद्यार्थियों के लिए निष्पक्ष प्रक्रिया और समान गरिमा सुनिश्चित करना। यदि किसी नियम की भाषा से समाज के किसी वर्ग में असुरक्षा या उपेक्षा की भावना पैदा होती है तो उस पर संवाद और समीक्षा होनी चाहिए इसलिए भाजपा को इस विषय को केवल राजनीतिक समर्थन या विरोध के चश्मे से देखने के बजाय संवैधानिक अधिकारों, शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकताओं और न्यायिक समीक्षा के आधार पर देखना चाहिए भाजपा नीत सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह विद्यार्थियों शिक्षाविदों सामाजिक संगठनों और कानूनी विशेषज्ञों के विचार सुने तथा व्यापक सहमति के आधार पर स्पष्ट और प्रभावी व्यवस्था विकसित करे। ।नियमों में सुधार के लिए कुछ बिंदुओं पर विचार की आवश्यकता है जैसे कि भेदभाव की स्पष्ट और समावेशी परिभाषा हो नियमों में यह स्पष्ट होना चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव की शिकायतों का दायरा क्या है और सभी संबंधित विद्यार्थियों को कानून के अनुरूप किस प्रकार संरक्षण मिलेगा प्रत्येक विश्वविद्यालय में ऐसी समिति होनी चाहिए जो शिकायतों की स्वतंत्रता गोपनीयता और निष्पक्षता के साथ जाँच कर सके साथ ही शिकायतकर्ता तथा आरोपित व्यक्ति दोनों को अपनी बात रखने का उचित अवसर मिलना चाहिए और यदि किसी शिकायत को दुर्भावनापूर्वक गढ़ा जाना प्रमाणित होता है तो नियमानुसार कार्रवाई की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले अन्य अध्ययनरत विद्यार्थियों व शिक्षकों से सुझाव लिए जाने चाहिए साथ ही पारदर्शी निगरानी और जवाबदेही के लिए विश्वविद्यालयों में प्राप्त शिकायतों, उनके निस्तारण और अपनाए गए सुधारों की नियमित समीक्षा होनी चाहिए, ताकि नियम केवल कागजों तक सीमित न रहें।

विश्वविद्यालय वह स्थान होना चाहिए जहाँ विद्यार्थी अपनी प्रतिभा, मेहनत और योग्यता के आधार पर आगे बढ़ सकें। वहाँ जाति के आधार पर अपमान या भेदभाव की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इसी तरह, किसी विद्यार्थी के मन में यह आशंका भी नहीं होनी चाहिए कि उसके विरुद्ध किसी शिकायत की जाँच बिना निष्पक्ष प्रक्रिया के होगी।

शिक्षा का वातावरण ऐसा होना चाहिए जहाँ अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थी एक-दूसरे का सम्मान करें और देश के विकास में योगदान देने के लिए तैयार हों।

यदि नियमों की व्याख्या या क्रियान्वयन से समाज में अविश्वास बढ़ता है, तो नीति-निमार्ताओं को उस समस्या का समाधान खोजना चाहिए। नियमों का लक्ष्य सामाजिक विभाजन नहीं, बल्कि समान अवसर, सम्मान और न्याय की स्थापना होना चाहिए।

अंततः भाजपा नेतृत्व को इस विषय पर गहनता से विचार करते हुए ऐसी व्यवस्था लानी चाहिए जो वंचित समुदायों को प्रभावी संरक्षण दे, सभी विद्यार्थियों की गरिमा सुनिश्चित करे, शिकायतों की निष्पक्ष जाँच करे और कानून के दुरुपयोग की संभावनाओं को कम करे एवं किसी भी विद्यार्थी को जाति के कारण अन्याय नहीं सहना पड़े और किसी भी विद्यार्थी को निष्पक्ष न्याय से वंचित नहीं किया जाए। यही वह संतुलित दृष्टिकोण होगा जो शिक्षा व्यवस्था में विश्वास, समाज में समरसता और लोकतंत्र में नागरिकों की आस्था को मजबूत कर सकता है। यूजीसी के नियमों पर भाजपा का निर्णय केवल तत्कालीन विवाद का समाधान नहीं, बल्कि भारत की भावी शिक्षा व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम होना चाहिए। इन्हीं सिद्धांतों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था भारत के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 31 अक्टूबर 2026 शनिवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृषभ मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक और धनु राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव और संकटमोचन हनुमान जी की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शनि मंदिर में काले तिल और सरसों का तेल अर्पित करने तथा सुंदरकांड का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और शनि की ढैया या साढ़ेसाती के अशुभ प्रभाव समाप्त होते हैं।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। शनि मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। किसी जरूरतमंद को काले वस्त्र दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। शनि देव के मंत्रों का जाप करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्त्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। गरीबों को भोजन कराएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। काले कुत्ते को रोटी खिलाएं जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। किसी असहाय व्यक्ति को सहायता दें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। मंदिर में लोहे की वस्तु दान करें जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। शनिवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। सुंदरकांड का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। हनुमान जी के दर्शन करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन घर की पश्चिम दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां नीले या काले रंग के पुष्प सजाने तथा मुख्य द्वार पर लोहे का कोई पवित्र प्रतीक चिन्ह लगाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा शनिदेव की कृपा से घर में स्थिरता, सुरक्षा और अखंड समृद्धि का स्थायी वास होता है।

वृंदावन में गूंजी स्वामी हरिदास की वाणी, पदगायन से भक्तिमय हुआ ब्रज!

संतों और भजन गायकों ने बांधा समां, गुरुकुल के बटुकों की सहभागिता ने मोहा मन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- स्वामी हरिदास के पदों की सुरमयी प्रस्तुति
- भजन गायन में डूबे श्रद्धालु, गूंजा राधे-कृष्ण का भाव
- संतों और भजन गायकों का हुआ सम्मान

वृंदावन के गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी परिसर स्थित स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह में स्वामी हरिदास जी के पदों के गायन का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संतों, भजन गायकों और गुरुकुल के बटुकों ने स्वामी हरिदास जी की पदगायन परंपरा को स्वरांजलि अर्पित की।

आयोजन के माध्यम से स्वामी हरिदास जी की समृद्ध पदगायन परंपरा और ब्रज की सांस्कृतिक विरासत को प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी श्री हरिदास पीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राधा प्रसाद देव जू महाराज ने की। स्वामी हरिदास पीठाधीश्वर महाराज जी ने पद-- अति भली भई नित्य ललिता जू प्रगटी, भाग्य हमारे जागेरी......

गायन करके सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। महाराज जी ने स्वामी हरिदास जी की जीवन पर प्रकाश डाला।

भजन सम्राट विष्णु बावरा जी ने गाया--

लड़ेंहती अब तो विलंब न की जाए..। प्रिया शरण जी ने गया--येरी मैरो वृन्दावन सुख धाम.....

इस अवसर पर कैलाश नगर स्थित अनमोल गुरुकुलम के बटुकों ने गुरुकुलम के संस्थापक अनमोल महाराज के सानिध्य में सहभागिता की। कार्यक्रम में अनेक संत-महात्मा एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पद गायन परंपरा से जुड़े भजन गायक मोहिनी विहारी शरण जी महाराज, रंगीली कुंज के प्रिया शरण महाराज, विष्णु बावरा, अनमोल महाराज, महामंडलेश्वर चंद्रमा दास महाराज, बलराम आचार्य महाराज के अलावा कथा वाचक व भजन गायिका मोहिनी कृष्ण दासी, शिवम दास तथा संत पंडित धर्मवीर सहित अन्य कलाकारों ने स्वामी हरिदास जी के अन्य पदों का भावपूर्ण गायन किया।

भजन प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में संगीत की संगत गीता शोध संस्थान के संगीत प्रशिक्षक आकाश शर्मा, सुनील पाठक, मन मोहन कौशिक, रितु सिंह व मानसो राजपूत ने दी।

कार्यक्रम के समापन पर ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चंद्र शर्मा, दूधनाथ के अलावा अकादमी के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने संत व भजन गायकों का पटुका पहनाकर अभिनंदन किया।

स्कूलों का आज अवकाश

मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (ढएळ-2026) दिनांक 25.10.2026 को सम्पन्न हो चुकी है। आगामी परीक्षाएं 30.10.2026 एवं 01.11.2026 को मथुरा जनपद के 33 परीक्षा केन्द्रों पर प्रत्येक दिवस दो पालियों में आयोजित होगी। उक्त के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट ने 30 अक्टूबर, 2026 (शुक्रवार) को जनपद में एक दिवस का शैक्षणिक अवकाश घोषित किया है।

सहकारी समितियों को मिली डीएपी / एनपीकेएस उर्वरक

मथुरा। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अभिषेक कुमार मिश्रा ने अवगत कराया है कि 29.10.2026 को 2730.900 मै०टन डीएपी एवं एनपीकेएस उर्वरक की एक रैक जनपद को प्राप्त हुई है, जिसका कृषकों की मांग के अनुरूप कुल आवंटन योग्य 83 उर्वरक बिक्री केन्द्रों / समितियों को सीधे रैक पाइन्ट से प्रेषण किया जा रहा है। अभिषेक कुमार मिश्र, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता, मथुरा ने अवगत कराया है कि जनपद में इस वर्ष अब तक गतवर्ष की तुलना में 3000 मै०टन से अधिक डीएपी का वितरण कृषकों को किया जा चुका है। वर्तमान में पीसीएफ बफर गोदाम में 10983 मै०टन यूरिया एवं 1414 मै०टन फॉस्फेटिक उर्वरक उपलब्ध है और जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में नियमित रूप से प्रति सप्ताह / आवश्यकतानुसार आवंटन किया जा रहा है। जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है, सभी किसान बन्धु आवश्यकतानुसार पात्रता एवं संस्तुत मात्रा के आधार पर उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं।

नशेड़ी ने मार डाला अपना शाकी

मथुरा। महोली में दारू पी रहे दोस्तों में विवाद हो गया। विवाद इतना बडा कि एक ने दूसरे की गोली मार कर हत्या कर दी। मौका मिलते ही हत्यारा फरार हो गया। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए जाल बिताना शुरू कर दिया। पुलिस अधीक्षक नगर राजीव कुमार ने बताया कि थाना हाईवे के महोली मोहल्ले में शराब के नशे में हुए आपसी विवाद के बाद विकास उर्फ विशाल नामक व्यक्ति ने अपने ही मोहल्ले के रहने वाले रोहतास को गोली मार दी, जिसके बाद अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को इस मामले में मुख्य आरोपी विशाल और उसके साथियों के खिलाफ नामजद तहरीर मिल चुकी है और मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ पहले से ही लड़ाई-झगड़े के तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं और पुलिस ने उसकी तथा उसके साथियों की धर पकड़ के लिए चार विशेष टीमें गठित की हैं, जो लगातार दबिश देकर जल्द ही उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करेंगी।

मथुरा में गौरव समागम, मंत्री असीम अरुण का जोरदार स्वागत!

मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र के गांव अड्डा पाली में गौरव समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथि का स्वागत पुष्पहार पहनाकर, पटका ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट करके किया। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनकल्याण और विकास के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक सहभागिता, जनकल्याण और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

गौरव समागम में लोगों की सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। पूनम एडवोकेट ने आभार जताया।

मथुरा। थाना माँट पुलिस द्वारा 03 अभियुक्तगण को जुआ खेलते समय 4570/- रुपये व 52 पत्ते ताश के साथ गिरफ्तार किया गया। मांट पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर फायर स्टेशन के सामने वन विभाग की कोठरी के पीछे थाना क्षेत्र मांट से अभियुक्तगण लोकमन पुत्र धूरिया निवासी मांट मूला थाना मांट जनपद मथुरा उम्र करीब 38 वर्ष, विनोद पुत्र धूरिया निवासी मांट मूला थाना मांट जनपद मथुरा उम्र करीब 49 वर्ष, विपिन पुत्र राजू निवासी मांट मूला थाना मांट जनपद मथुरा उम्र करीब 26 वर्ष को जुआ खेलते हुए फड़ से 4570/- रुपये व 52 ताश के पत्ते सहित गिरफ्तार किया गया ।अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना मांट पर मु0अ0सं0-258/2026 धारा-13 जी एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।अभियुक्तगण को गिरफ्तार व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार,उ0नि0 हरेन्द्र कुमार थाना मांट शामिल थे।

व्यापारियों को ब्याज माफी योजना-2026 की दी गई जानकारी

कासगंज। राज्य कर विभाग द्वारा कासगंज में व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं को उत्तर प्रदेश सरकार की ब्याज माफी योजना-2026 के संबंध में जागरूक किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों को राहत प्रदान करना और बकाया कर की वसूली में तेजी लाना है। योजना के तहत विभिन्न कर अधिनियमों के अंतर्गत बकाया मूल कर की धनराशि जमा करने पर नियमानुसार ब्याज में पूरी तरह से छूट का प्रावधान किया गया है। सहायक आयुक्त राज्य कर, राम अनुज मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि व्यापारी इस ब्याज माफी योजना का लाभ 16 जनवरी 2027 तक उठा सकते हैं। विभाग ने सभी संबंधित व्यापारियों से अपील की है कि वे समय रहते योजना की पूरी जानकारी प्राप्त करें और अंतिम तिथि से पूर्व इसका लाभ उठाकर अपने बकाए का निस्तारण कराएं।

20 क्वार्टर देशी शराब समेत आरोप गिरफ्तार

कासगंज। सहावर थाना पुलिस ने क्षेत्र से एक आरोपी को 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है। सहावर थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि थाना पुलिस ने बुधवार की देर शाम उमेश उर्फ जयन्ती उर्फ जयन्त कुमार उर्फ जैन्सी पुत्र बालिस्टर उर्फ ओमप्रकाश निवासी खुदाताल थाना सहावर को खितौली नहर पुल के निकट से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से 20 क्वार्टर देशी शराब के बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी का आपराधिक इतिहास भी जुटाया है।

तमंचा, कारतूस समेत आरोपी गिरफ्तार

कासगंज। सहावर थाना पुलिस ने क्षेत्र से एक आरोपी को तमंचा, कारतूस समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया है। सहावर थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि थाना पुलिस ने बुधवार की देर शाम छोटे मियां पुत्र अलीदराज निवासी सेवनपुर थाना सहावर को सेवनपुर के निकट से एक तमंचा, एक कारतूस समेत गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर मौत का तांडव! कैंटर में घुसीं दो बसें, 24 से ज्यादा घायल

तीन वाहनों की भीषण भिड़ंत, टक्कर के बाद सड़क पर पलटा कांच से भरा कैंटर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा
- दो बसें कैंटर से टकराईं, 24+ घायल
- टक्कर के बाद सड़क पर पलटा कैंटर

यमुना एक्सप्रेस वे पर गुरुवार तड़के थाना मांट क्षेत्र अंतर्गत माइलस्टोन 101 के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। नोएडा से आगरा की ओर जा रही दो सवारी बसों की कांच से भरे एक कैंटर से टक्कर हो गई, जिसमें दो दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर चीख-पुकार मच गई और हड़कंप की स्थिति पैदा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, दुर्घटना तड़के करीब 3:15 बजे हुई। कांच के सामान से भरा आयशर कैंटर आगरा की ओर जा रहा था, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार ह्यविश्वनाथ ट्रैवल्सह्ल की बस ने ओवरटेक करने के प्रयास में कैंटर में जोरदार टक्कर मार दी। इसी दौरान पीछे से आ रही ह्यट्रैवल पॉइंटह्ल की एक अन्य बस भी बेकाबू होकर कैंटर से टकरा गई। भीषण टक्कर के चलते कांच से लदा कैंटर सड़क पर ही पलट गया।इस हादसे में कश्मीरी गेट फिरोजाबाद निवासी चांदनी (पत्नी मेराज), आमिर (पुत्र अफसर), आजाद, वसीम (पुत्र सलीम) और अजर बानो (पत्नी साबिर सिद्दीकी) सहित 24 से अधिक सवारी घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। जेपी और सरकारी एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। इसके बाद पुलिस ने क्रेन बुलाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और बाधित यातायात को सुचारू कराया।

थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। तहरीर प्राप्त होने के बाद मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

करवा चौथ पर लखबीर सिंह लक्खा की आवाज का छाया जादू, जमकर झूमे लोग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- ब्रजरज उत्सव में भक्ति संगीत की धूम, दमदार आवाज और जोशीले अंदाज ने बांधा समां
- लोकप्रिय भजनों पर भक्तिरस में डूबे श्रोता, तालियों और जयकारों से गूंजा उत्सव स्थल

करवा चौथ के दिन जहां घरों में पूजा-अर्चना और चांद निकलने का इंतजार रहा, वहीं ब्रजरज उत्सव में भक्ति संगीत की ऐसी धूम मची कि प्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा की प्रस्तुति पर लोग जमकर झूमे। उनकी दमदार आवाज और जोशीले अंदाज ने श्रोताओं को भक्ति के रंग में रंग दिया। भजनों की गूंज, तालियों और जयकारों के बीच उत्सव स्थल पर उल्लास का माहौल बना रहा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित ब्रजरज उत्सव में बृहस्पतिवार को करवा चौथ के बावजूद लोगों का उत्साह देखने लायक रहा। भक्ति संगीत के दीवानों ने लक्खा के भजनों का आनंद लिया और उनकी गायकी के साथ सुर मिलाते नजर आए।

माता रानी के भजनों के लिए विशेष पहचान रखने वाले लखबीर सिंह लक्खा की गायकी में भक्ति, भाव और ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। उन्होंने ह्यप्यारा सजा है तेरा द्वार भवानीह्ल और ह्यकीजो केसरी के लाल, मेरा छोटा-सा कामह्ल जैसे भजनों से श्रोताओं को भक्तिरस में सराबोर किया। वहीं, ह्यश्याम के बिना तुम आधे, तुम्हारे बिना श्याम आधेह्ल और ह्यश्री राम जानकी बैठे हैं मेरे सीने मेंह्ल जैसे भजनों ने भी समां बांधा। अलग-अलग आराध्यों की भक्ति से सजे इन भजनों ने कार्यक्रम में भक्ति के विविध रंग बिखेरे।

देर शाम शुरू हुई प्रस्तुति में लक्खा की आवाज का जादू श्रोताओं पर छाया रहा। उनकी गायकी में आवाज के उतार-चढ़ाव और जोशीले अंदाज ने भजनों को प्रभावशाली बना दिया। श्रोता केवल भजन सुनने तक सीमित नहीं रहे, बल्कि तालियां बजाकर और झूमकर प्रस्तुति का आनंद लेते रहे। भजनों के साथ श्रोताओं की भागीदारी और जयकारों ने कार्यक्रम का उत्साह बढ़ाया।

करवा चौथ के पर्व पर भी भक्ति संगीत के प्रति लोगों का जुनून कम नहीं हुआ। त्योहार की व्यस्तताओं के बीच बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं और संगीत प्रेमियों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। लखबीर सिंह लक्खा की प्रस्तुति ने ब्रजरज उत्सव की सांस्कृतिक शाम को भक्तिरस और उल्लास से भर दिया।

इससे पूर्व निखिल शर्मा ने भजन सूफी गायन, कामोद शर्मा ध्रुपद गायन, राजिता मिश्रा की टीम ने लोक गायन प्रस्तुत किया। स्वच्छता को लेकर नाटक मंचन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीला स्थली में स्वच्छता का संदेश दिया।

धौली प्याऊ रेलवे मैदान पर शुक्रवार की प्रस्तुति

- दोपहर 2.30 बजे शालिनी शर्मा लोक संगीत गायन
- दोपहर 3.30 बजे सुशील कुमार भजन, लोकगीत गायन
- दोपहर 4.30 बजे कन्हैया लाल चतुर्वेदी हवेली संगीत
- शाम 7.00 बजे अतुल पंडित म्यूजिकल कन्सर्ट

जूनियर क्रिकेट का महासंग्राम! खिताब के लिए सीएई-अचीवर्स में भिड़ंत

जिला जूनियर क्रिकेट लीग का फाइनल आज, सेमीफाइनल में सीएई ने बीएसए को 7 विकेट से हराया

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- सीएई की फाइनल में धमाकेदार एंट्री
- आर्यन तोमर ने 65 रन ठोककर दिलाई जीत
- अचीवर्स ने नेशनल को हराकर बनाई जगह
- आज खिताबी मुकाबले में दोनों टीमों की टक्कर

जिला क्रिकेट संघ की जिला जूनियर क्रिकेट लीग 2026 में सीएई व अचीवरस के मध्य खिताबी मुकाबला आज होगा।

गुरुवार को सेमी फाइनल मे सीएई अकादमी ने टॉस जीत कर पहले गेन्दबाजी करने का फैसला किया बल्लेबाजी करने उतरी बीएसए क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित 30 ओवर में 7 विकेट खोकर 153 रन बनाये जिनकी ओर से उदय तिवारी ने शानदार 67 रन,आदित्य सिंह ने 27 रन और दीपक बघेल ने 22 रन ओर अंश सिंह ने 21 रन का योगदान दिया। सीएई अकादमी की ओर से अंकुल धनगर ने 3, देव गोधर ने 2 और युगल ने 1 विकेट लिए। जवाब मे बल्लेबाजी करने उतरी सीएई अकादमी की टीम 18.2 ओवर मे 3 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। इस प्रकार सीएई अकादमी ने 7 विकेट से मैच जीत लिया और फाइनल मे जगह बनाई। सीएई अकादमी की तरफ से आर्यन तोमर ने शानदार 65 रन की पारी खेली, गौरव तंवर ने 38 रन नाबाद तथा सक्षम चौधरी ने 21 रन की पारी खेली। बीएसए क्रिकेट अकादमी की ओर से उदय तिवारी ने एक-एक विकेट, दीपक बघेल और नैतिक ने लिया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का पुरुस्कार हरीश राघव पब्लिक स्कूल के चेयरमैन पीयूष राघव ने आर्यन तोमर को दिया। शुक्रवार को प्रतियोगिता का फाइनल मैच सीएई क्रिकेट अकादमी और अचीवर्स क्रिकेट अकादमी के मध्य वृन्दावन क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड पर खेला जायेगा। आज के मैच मे अंपायर अनिल आहूजा और मोहम्मद असलम खान रहे और स्कॉरिंग गौरव जादौन ने की । वहीं अचीवरस ने नेशनल को हरा कर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुलश्रेष्ठ, अशोक कैंथवास आशुतोष दीक्षित, रोहित सिंह रवि गुर्जर आदि लोग मौजूद रहे। ये सभी जानकारी जिला क्रिकेट संघ के सचिव कमल चावला ने दी।

चांद का दीदार, पिया का प्यार... करवाचौथ पर प्रेम और आस्था का अद्भुत संगम!

निर्जला व्रत रख सुहागिनों ने मांगी पति की लंबी उम्र

- चांद निकलते ही सुहागिनों का इंतजार खत्म
- सोलह श्रृंगार में सजीं महिलाएं, विधि-विधान से किया पूजन
- चंद्रमा के साथ पति का दीदार कर मांगी सलामती
- व्रत खुलते ही घर-आंगन में छाई खुशियां

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

अमांपुर कस्बे में गुरुवार को करवाचौथ पर्व को लेकर कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में खासा उत्साह बना रहा। पहली बार करवाचौथ मनाने वाली सुहागिनों ने अपने परिवार की बुजुर्ग महिलाओं से पूजन विधि पूछ कर पूजन किया। उसके बाद शाम को चन्द्रोदय होते ही अपने पति का चन्द्रमा के साथ पूजन किया। अमांपुर कस्बे में उल्लास के साथ करवाचौथ त्योहार मनाया गया। पति की लंबी आयु की कामना कर सुहागिनों ने गुरुवार को करवाचौथ का निर्जला व्रत रखा। त्योहार को लेकर सुबह से घरों में तैयारियों शुरू हो गई थीं। सर्गी की रस्म निभाई गई। सुहागिनों ने रात को चांद और पति का दीदार कर पूजन-अर्चन के बाद व्रत खोला। प्रेम के इस पर्व पर पत्नी को उपहार भी दिए गए। कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को करवाचौथ का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। सुबह से घरों में तैयारियों का दौर चलता रहा। पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। महिलाएं सोलह श्रृंगार, मेहंदी आदि लगाकर तैयार हुईं। दिन भर निर्जला व्रत रखने के बाद रात में चांद का दीदार और पति को देखकर कर पूजन-अर्चन की रस्में निभाई गईं। इस दौरान महिलाओं ने चंद को अर्घ्य देकर विधि विधान से पूजन किया। पूजन के बाद पत्नी को पानी पिला व कुछ मीठा खिलाकर व्रत खुलवाया गया। चांद दिखते ही मुहल्लों में शोर हुआ। इस दौरान बच्चों ने जमकर पटाखे चलते और खुशी का इजहार किया। त्योहार को लेकर देर रात तक चहल पहल बनी रही। बुजुर्गों का आशीर्वाद भी लिया।

डेंगू का कहर! 28 साल के युवक की मौत से उजड़ा परिवार

छह दिन से बुखार से जूझ रहे हिम्मत सिंह ने रास्ते में तोड़ा दम

- अलीगढ़ ले जाते समय युवक की मौत
- पत्नी और तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया
- ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से मांगी फॉगिंग

कासगंज। ढोलना थाना क्षेत्र के इटऊआ गांव में डेंगू बुखार से 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से गांव में फॉगिंग कराने और डेंगू जांच शिविर लगाने की मांग की है।

इटऊआ निवासी गीतम सिंह के पुत्र हिम्मत सिंह को करीब छह दिन से बुखार आ रहा था। परिजन उसका उपचार कमला हॉस्पिटल में करा रहे थे। बुधवार को अचानक उसकी हालत बिगड़ गई। अस्पताल में डॉक्टर अनुपम ने गंभीर स्थिति देखते हुए उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर अलीगढ़ जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव को घर ले आए। हिम्मत की मौत से पत्नी पिंकी और तीन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पत्नी ने बताया कि उनकी शादी आठ वर्ष पहले हुई थी। उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें बेटी कीर्तिका और दो बेटे विवेक व उदय शामिल हैं। जवान बेटे की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गुरुवार दोपहर परिजनों ने गमगीन माहौल में युवक का अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से गांव में साफ-सफाई, फॉगिंग और डेंगू की जांच के लिए शिविर लगाने की मांग की, ताकि समय रहते मरीजों की पहचान हो सके और बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

चारा काटने पेड़ पर चढ़ा युवक, पलभर में नीचे गिरा, हालत गंभीर

अमापुर । क्षेत्र के गांव कमालपुर में गुरुवार सुबह बकरियों के लिए चारा काटते समय एक युवक पेड़ से नीचे गिर गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

परिजनों ने बताया कमालपुर निवासी 34 वर्षीय खुर्शीद आलम पुत्र अमीर आलम गुरुवार सुबह करीब आठ बजे अपनी बकरियों के लिए चारा काटने के वास्ते पेड़ पर चढ़े हुए थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे आ गिरे। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और परिजन तुरंत दौड़कर पहुंचे।

परिजन घायल खुर्शीद को लेकर तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है।

कासगंज में त्योहारों पर महाजाम से निपटने का मेगा प्लान:

शहर के 19 संवेदनशील प्वाइंटों पर पुलिस बल तैनात, एसपी के निर्देश पर कड़े प्रबंध

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

दीवाली और अन्य आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था को पटरी पर बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी यातायात रजनीश कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में यातायात पुलिस ने कमर कस ली है। त्योहारों के दौरान लगने वाले भीषण जाम से शहरवासियों को निजात दिलाने के लिए प्रभारी यातायात लक्ष्मण सिंह ने शहर के 19 अति-संवेदनशील प्वाइंटों और कटों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी है। यह विशेष यातायात व्यवस्था आज यानी 29 अक्टूबर 2026 से शुरू होकर 11 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी।

इन 19 प्रमुख प्वाइंटों पर रहेगी पैनी नजर

त्योहारी सीजन में खरीदारों की भीड़ और वाहनों के दबाव को नियंत्रित करने के लिए शहर के भीतर और बाजारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जगहों को चिन्हित किया गया है। यातायात पुलिस और स्थानीय थाने के बल को 19 प्वाइंटों पर तैनात किया गया है।पुलिस की जनता से अपील

यातायात पुलिस कासगंज ने शहर के सभी सम्मानित नागरिकों और दुकानदारों से अपील की है कि त्योहार के इस उल्लासपूर्ण माहौल में जाम की समस्या से बचने के लिए प्रशासन द्वारा निर्धारित यातायात व्यवस्था का पूरी तरह पालन करें।

पुलिस ने वाहन चालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सड़कों पर बेतरतीब वाहन न खड़े करें, ताकि हर कोई सुरक्षित और सुगम आवागमन का लाभ उठा सके।

व्यापारियों को ब्याज माफी योजना-2026 की दी गई जानकारी, 16 जनवरी 2026 तक उठा सकेंगे लाभ

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

राज्य कर विभाग द्वारा कासगंज में व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं को उत्तर प्रदेश सरकार की ब्याज माफी योजना-2026 के संबंध में जागरूक किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों को राहत प्रदान करना और बकाया कर की वसूली में तेजी लाना है।

योजना के तहत विभिन्न कर अधिनियमों के अंतर्गत बकाया मूल कर की धनराशि जमा करने पर नियमानुसार ब्याज में पूरी तरह से छूट का प्रावधान किया गया है।

सहायक आयुक्त राज्य कर, राम अनुज मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि व्यापारी इस ब्याज माफी योजना का लाभ 16 जनवरी 2027 तक उठा सकते हैं।

विभाग ने सभी संबंधित व्यापारियों से अपील की है कि वे समय रहते योजना की पूरी जानकारी प्राप्त करें और अंतिम तिथि से पूर्व इसका लाभ उठाकर अपने बकाए का निस्तारण कराएं।

त्योहारों पर कासगंज की सड़कों पर उतरा पुलिस बल: बाजारों में पैदल चले अफसर, ई-रिक्शा और भारी वाहनों की 'नो एंट्री'

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर में सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने और खरीदारी के लिए उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस महकमा पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। गुरुवार को कोतवाली कासगंज के प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने समूचे मुख्य बाजार और संवेदनशील चौराहों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

त्योहारों के दौरान बाजारों में लगने वाले भीषण जाम से शहरवासियों को राहत दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। सुरक्षा और सुचारु यातायात के दृष्टिगत शहर के अंदर थ्री-व्हीलर (ई-रिक्शा/ऑटो) और फोर-व्हीलर वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध (नो-एंट्री) लगा दिया गया है।

इन प्रमुख क्षेत्रों में चला चेकिंग व गश्त अभियान

कोतवाली प्रभारी ने पुलिस बल के साथ शहर के मुख्य व्यापारिक और संवेदनशील स्थलों–बाराद्वारी, जामा मस्जिद, सोरों गेट, सहावर गेट, मुख्य बाजार, गंदा नाला, नदरई गेट, गांधी मूर्ति, मालगोदाम चौराहा, बस स्टैंड और बिलराम गेट चौराहा सहित पूरे बाजार क्षेत्र का सघन भ्रमण किया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग भी की गई।

अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश, दिए कड़े संदेश

गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों और दुकानदारों से संवाद कर दुकानों के बाहर अतिक्रमण न करने की अपील की, ताकि खरीदारी करने आ रहे आम नागरिकों को कोई असुविधा न हो। पुलिस प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि त्योहारों पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले अराजक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा।

अवैध आतिशबाजी का बड़ा जखीरा बरामद, एक शातिर गिरफ्तार, पहले भी दर्ज हैं विस्फोटक अधिनियम के मुकदमे

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

कोतवाली पुलिस ने दीपावली के मद्देनजर अवैध आतिशबाजी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नदरई तिराहे के पास से अवैध आतिशबाजी और उसे बनाने के सामान के साथ एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 30 किलोग्राम अवैध सामग्री बरामद की गई है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

नदरई तिराहे के पास दबोचा गया आरोपी

पुलिस अधीक्षक ओ.पी. सिंह के निर्देशन पर

मुखबिर की सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जगदीश चंद्र ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए गुरुवार को नदरई तिराहे के पास से आरोपी पप्पू पुत्र रामचंद्र निवासीः ग्राम नदरई, थाना को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से 3 बोरों में करीब 30 किलोग्राम अवैध आतिशबाजी और आतिशबाजी बनाने का सामान बरामद हुआ।

विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली कासगंज में मु0अ0सं0 642/26 धारा 288 बीएनएस व 5/9 विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

पहले से भी है आपराधिक इतिहास

पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी निकला है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी पप्पू के खिलाफ पूर्व में भी विस्फोटक अधिनियम के तहत गंभीर मामले दर्ज हैं:

पुलिस का एक्शन मोड! अपराधियों पर शिकंजा, वांछितों की धरपकड़ के आदेश

एसपी ओपी सिंह ने अपराध गोष्ठी में कसी पुलिस की नकेल

- वांछितों और वारंटियों की अब खैर नहीं!
- साइबर ठगी से अवैध कारोबार तक, पुलिस का प्रहार
- त्योहारों से पहले बढ़ेगी गश्त, सुरक्षा होगी सख्ती

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

एसपी ओ.पी. सिंह ने अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस कार्यालय के सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी की। इस दौरान उन्होंने दो टूक शब्दों में निर्देश दिए कि विवेचनाओं में बिल्कुल भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर मामले में साक्ष्यों का गुणवत्तापूर्ण संकलन कर निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अभियान चलाकर दबोचे जाएंगे वांछित और वारंटी

गोष्ठी में एसपी ने गंभीर मामलों, लंबित अभियोगों और विवेचनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि विशेष अभियान चलाकर वांछित और वारंटी अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाए।

अभियोजन और पैरवी की समीक्षा करते हुए एसपी ने 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के अंतर्गत चिन्हित मामलों में प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर दोषियों को न्यायालय से कड़ी से कड़ी सजा दिलाने पर जोर दिया।

महिला एवं बाल अपराधों से जुड़ी शिकायतों पर पूरी संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही थानों पर आने वाले हर फरियादी की बात गंभीरता से सुनने और आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण की ताकीद की गई।

शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ितों की मदद और ठगी गई धनराशि की रिकवरी के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं।अवैध शराब, मादक पदार्थों और अवैध शस्त्रों के खिलाफ अभियान तेज किया जाए। संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग के साथ रात्रि गश्त बढ़ाई जाए।आगामी त्योहारों के दृष्टिगत संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहे और पुलिस हर वक्त अलर्ट मोड में नजर आए।एसपी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट किया कि पुलिस की हर कार्रवाई में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही दिखनी चाहिए, ताकि आम जनता के मन में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

त्योहारों से पहले पुलिस का पहरा! चप्पे-चप्पे पर निगरानी

भीड़ और जाम से निपटने के लिए मुख्य बाजारों में पैदल गश्त, ई-रिक्शा और चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक

- त्योहारों पर सुरक्षा के लिए सड़क पर उतरी पुलिस
- बाजारों में ई-रिक्शा और कारों की नो-एंट्री
- अतिक्रमण हटाने की हिदायत, संदिग्धों की चेकिंग

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर में सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने और खरीदारी के लिए उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस महकमा पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। गुरुवार को कोतवाली कासगंज के प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने समूचे मुख्य बाजार और संवेदनशील चौराहों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

?त्योहारों के दौरान बाजारों में लगने वाले भीषण जाम से शहरवासियों को राहत दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। सुरक्षा और सुचारु यातायात के दृष्टिगत शहर के अंदर थ्री-व्हीलर (ई-रिक्शा/ऑटो) और फोर-व्हीलर वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध (नो-एंट्री) लगा दिया गया है।

कोतवाली प्रभारी ने पुलिस बल के साथ शहर के मुख्य व्यापारिक और संवेदनशील स्थलों–बाराद्वारी, जामा मस्जिद, सोरों गेट, सहावर गेट, मुख्य बाजार, गंदा नाला, नदरई गेट, गांधी मूर्ति, मालगोदाम चौराहा, बस स्टैंड और बिलराम गेट चौराहा सहित पूरे बाजार क्षेत्र का सघन भ्रमण किया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग भी की गई।

गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों और दुकानदारों से संवाद कर दुकानों के बाहर अतिक्रमण न करने की अपील की, ताकि खरीदारी करने आ रहे आम नागरिकों को कोई असुविधा न हो। पुलिस प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि त्योहारों पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले अराजक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा।

कासगंज पुलिस की क्लास: एसपी बोले- विवेचना में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, अभियान चलाकर दबोचे जाएंगे वांछित व वारंटी

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

- अपराधियों पर कसेगा शिकंजा: 'ऑपरेशन कन्विक्शन' से दोषियों को मिलेगी सख्त सजा, महिला सुरक्षा और जनसुनवाई पर एसपी का सख्त रुख

एसपी ओ.पी. सिंह ने अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस कार्यालय के सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी की। इस दौरान उन्होंने दो टूक शब्दों में निर्देश दिए कि विवेचनाओं में बिल्कुल भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर मामले में साक्ष्यों का गुणवत्तापूर्ण संकलन कर निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अभियान चलाकर दबोचे जाएंगे वांछित और वारंटी

गोष्ठी में एसपी ने गंभीर मामलों, लंबित अभियोगों और विवेचनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि विशेष अभियान चलाकर वांछित और वारंटी अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाए।

'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत होगी मजबूत पैरवी

अभियोजन और पैरवी की समीक्षा करते हुए एसपी ने 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के अंतर्गत चिन्हित मामलों में प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर दोषियों को न्यायालय से कड़ी से कड़ी सजा दिलाने पर जोर दिया।

महिला सुरक्षा और जनसुनवाई पर विशेष फोकस

महिला एवं बाल अपराधों से जुड़ी शिकायतों पर पूरी संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही थानों पर आने वाले हर फरियादी की बात गंभीरता से सुनने और आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण की ताकीद की गई।

इन मुद्दों पर भी रहे कड़े निर्देशः

साइबर अपराधः शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ितों की मदद और ठगी गई धनराशि की रिकवरी के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं।

अवैध कारोबारः अवैध शराब, मादक पदार्थों और अवैध शस्त्रों के खिलाफ अभियान तेज किया जाए। संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग के साथ रात्रि गश्त बढ़ाई जाए।

त्योहारी सतर्कताः आगामी त्योहारों के दृष्टिगत संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहे और पुलिस हर वक्त अलर्ट मोड में नजर आए।

एसपी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट किया कि पुलिस की हर कार्रवाई में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही दिखनी चाहिए, ताकि आम जनता के मन में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

खेत में पानी लगाते समय किसान को डसा जहरीले सांप ने, जिला अस्पताल में भर्ती; हालत गंभीर

कासगंज। थाना क्षेत्र के कातोर गांव में गुरुवार की सुबह खेत पर काम कर रहे एक किसान को जहरीले सांप ने डस लिया। घटना उस वक्त हुई जब किसान बाजरा के खेत में पानी लगा रहा था। अचानक हुए इस हमले से परिजनों में कोहराम मच गया। आनन-फानन में घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

?प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना कासगंज क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव कातोर निवासी प्रमोद कुमार (44 वर्ष) पुत्र सत्यभान सिंह गुरुवार की सुबह करीब 10:30 बजे अपने बाजरा के खेत में सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान खेत में छिपे एक जहरीले सर्प ने उनके पैर में काट लिया।

?सांप के डसने के बाद किसान की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसे देखकर वहां मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी। परिवार के लोग बिना देर किए प्रमोद कुमार को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां आपातकालीन कक्ष में डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

सड़क निर्माण का शिलान्यास, जर्जर मार्ग से मिलेगी मुक्ति!

- सालों से बदहाल सड़क के निर्माण की शुरूआत
- दर्जनों गांवों के लोगों को मिलेगी राहत
- विधायक हरिओम वर्मा ने किया शिलान्यास

टीएनएफ टुडे, अमापुर।

क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए अमापुर विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के जाल को मजबूत करने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में अमापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मंडनपुर से हीरापुर वाया नगला ऊसर मार्ग तक होने वाले नवनिर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के शुरू होने से क्षेत्र के दर्जनों गांवों के निवासियों को आवागमन में भारी सहूलियत मिलेगी और स्थानीय विकास को एक नई गति प्राप्त होगी।

अमापुर क्षेत्र के लोकप्रिय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हरिओम वर्मा रहे, जिन्होंने अपने कर-कमलों से इस सड़क निर्माण कार्य की नींव रखी। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग पिछले कई सालों से बेहद जर्जर और बदहाल स्थिति में था, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में इस रास्ते पर चलना और भी दूभर हो जाता था। स्थानीय विधायक हरिओम वर्मा ने जनता की इस पुरानी और गंभीर समस्या को गंभीरता से लेते हुए इसके पुनरुद्धार का बीड़ा उठाया और अब इसके निर्माण से वर्षों पुराना दर्द दूर हो जाएगा।

विधायक हरिओम वर्मा के प्रयासों से अमापुर विधानसभा में चौतरफा सड़कों का जाल बिछ गया है। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों की गंगा बह रही है। पहले जो सड़कें उपेक्षित थीं और जर्जर अवस्था में पड़ी थीं, उनका कायापलट हो रहा है।शिलान्यास के अवसर पर उमड़ी सैकड़ों की भीड़ ने विधायक के कार्यों की सराहना की और 'विकास पुरुष' के रूप में उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में विधायक ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि अमापुर विधानसभा के चहुंमुखी विकास के लिए वे पूरी तरह कटिबद्ध हैं और भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित के कार्य जारी रहेंगे।

चारा काटने पेड़ पर चढ़ा युवक, पलभर में नीचे गिरा, हालत गंभीर

अमापुर। क्षेत्र के गांव कमालपुर में गुरुवार सुबह बकरियों के लिए चारा काटते समय एक युवक पेड़ से नीचे गिर गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। परिजनों ने बताया कमालपुर निवासी 34 वर्षीय खुर्शीद आलम पुत्र अमीर आलम गुरुवार सुबह करीब आठ बजे अपनी बकरियों के लिए चारा काटने के वास्ते पेड़ पर चढ़े हुए थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे आ गिरे। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और परिजन तुरंत दौड़कर पहुंचे। परिजन घायल खुर्शीद को लेकर तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है।

आसमान में बादल छाए देखकर किसानों की अटक रहीं सांसें

कासगंज। अमांपुर में धान की फसल को लेकर किसान काफी उत्साहित रहते? है। क्योंकि यह एक ऐसी फसल है। जिससे किसान को नगदी भी मिलती है। घर में वर्ष भर के खाद्यान्न का इंतजाम होता है। पशुओं के लिए चारा भी मिलता है। गुरुवार को दोपहर में अचानक मौसम ने करवट बदल ली। आसमान में बादल छाए रहे। इसके चलते मौसम बारिश जैसा लगता रहा। धूप की लुकाछिपी के बीच किसानों की चिंता बढ़ गई है। गुरुवार की अलसुबह आसमान में प्रदूषण की वजह से बादल छाए थे। जिससे किसानों को मौसम खराब होने की आशंका है। ऐसे में अधिकांश खेतों में धान की फसल कटी हुई पड़ी है।

पेड़ से गिरकर ग्रामीण गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

अमापुर । क्षेत्र के गांव कमालपुर में गुरुवार सुबह बकरियों के लिए चारा काटते समय एक युवक पेड़ से नीचे गिर गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। परिजनों ने बताया कमालपुर निवासी 34 वर्षीय खुर्शीद आलम पुत्र अमीर आलम गुरुवार सुबह करीब आठ बजे अपनी बकरियों के लिए चारा काटने के वास्ते पेड़ पर चढ़े हुए थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे आ गिरे। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और परिजन तुरंत दौड़कर पहुंचे। परिजन घायल खुर्शीद को लेकर तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है।

बंद मकान में चोरों का तांडव! तीन कमरों की अलमारियां तोड़ीं, लाखों के जेवरात पार

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

सोरों कोतवाली क्षेत्र के लहरा रोड पर चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। चोर मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और तीन कमरों की अलमारियों के लॉकर खंगाल डाले। घर में रखे आभूषण समेटकर चोर फरार हो गए। बुधवार सुबह वारदात की जानकारी होने पर परिवार में खलबली मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

लहरा रोड निवासी सुंदर पाल नागर पुत्र रामस्वरूप ने बताया कि वह करीब आठ-दस दिन से रात में अपनी पत्नी के साथ नगरिया स्थित दूसरे मकान में रहने जा रहे थे। दिन के समय वह लहरा रोड स्थित मकान पर आते थे। बुधवार सुबह करीब नौ बजे उनकी पत्नी मकान पर पहुंचीं तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और दूसरा गेट भी खुला हुआ था। इसके बाद चोरी की

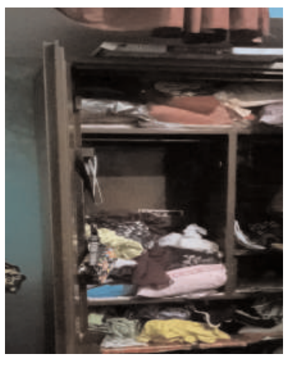

जानकारी हुई। गृहस्वामी के मुताबिक, मकान में उनके तीन बेटों के अलग-अलग कमरे हैं। दो बेटे नोएडा में नौकरी करते हैं, जबकि तीसरा बेटा लखनऊ में पॉलिटेक्निक शिक्षक है। चोरों ने तीनों कमरों की अलमारियों के लॉकर तोड़कर उनमें रखे आभूषण चोरी कर लिए।चोरी हुए सामान में बहू शिवानी के एक जोड़ी झाले, अंगूठी, मंगलसूत्र, तोड़ियां और कुंडल शामिल हैं। वहीं बहू भारती के दो जोड़ी कमरबंद, पांच जोड़ी तोड़ियां, चार जोड़ी कुंडल और बच्चों के आभूषण भी गायब हैं। गृहस्वामी की पत्नी के सोने की अंगूठी, मंगलसूत्र और तोड़ियां भी चोर ले गए।

मकान में चोरी की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम और सोरों सिटी इंचार्ज सुमित त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। गृहस्वामी ने चोरी हुए आभूषणों की कीमत लाखों रुपये बताई है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है।

सुहागनों ने मनाया करवाचौथ, एक नजर में

सुहाग की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के साथ सुहागिनों ने बृहस्पतिवार को करवा चौथ का निर्जला व्रत रखा। सुबह की सरगी से रात की चांदनी तक पति-पत्नी के बीच प्रेम-विश्वस छलका। दिनभर पूजा-अर्चना और सोलह श्रृंगार के बाद रात में चांद के दीदार का इंतजार किया। अर्नब के प्रभाव से आसमान में बादल छाए रहने के कारण कई महिलाओं को चंद्र दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ा। निर्धारित समय पर चांद नहीं दिखने से व्रती महिलाओं की बेचैनी बढ़ गई। ऐसे में महिलाओं ने अपनी पारिवारिक परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा-अर्चना की। सुहागिनों ने छलनी से अपने जैसे ही अपने पति को निहारा प्रेम की रोशनी में दांपत्य का विश्वास झिलमिला उठा। सुबह स्नान के बाद महिलाओं ने करवा स्थापित कर संकल्प के साथ व्रत शुरू किया। दिनभर अन्न-जल त्यागकर पति की दीघार्यु और सुखी दांपत्य जीवन की कामना की। शाम को सोलह श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजा की और करवा चौथ की कथा सुनी। रात में चंद्रोदय के समय महिलाएं छतों और खुले स्थानों से आसमान निहारती रहीं। कई महिलाएं परिवार के सदस्यों से चांद दिखाई देने की जानकारी लेती रहीं। चांद नहीं दिखने पर कुछ महिलाओं ने चंद्रोदय की दिशा में अर्घ्य देकर भगवान शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा का ध्यान किया और पारिवारिक मान्यताओं के अनुसार पूजा की।

प्रवेंद्र हिमांशी

दीपक शर्मा - पूजा शर्मा

आशीष शर्मा & मधु शर्मा

जॉनी पंडित - अर्चना शर्मा

हरेंद्र सुनीता

शिवानी ऋषब

शांतनु जैन - निहारिका जैन

शिवम चौहान-काजल चौहान

नीरू सिंह, रजत सिंह

जीतेश शर्मा- रुचि शर्मा

अभिषेक - स्तुति कपूर

प्रदीप - श्वेता

मिथिलेश देवी , देवेश सिंह

सारिका श्रीवास्तव, सत्यनारायण श्रीवास्तव

अनमोल चौहान रिया चौहान

दीपेंद्र - काजल शर्मा

सनी-कंचन शर्मा

कल्पना चौहान - यशवंत चौहान

सुनीता चौहान- मंगल सिंह चौहान

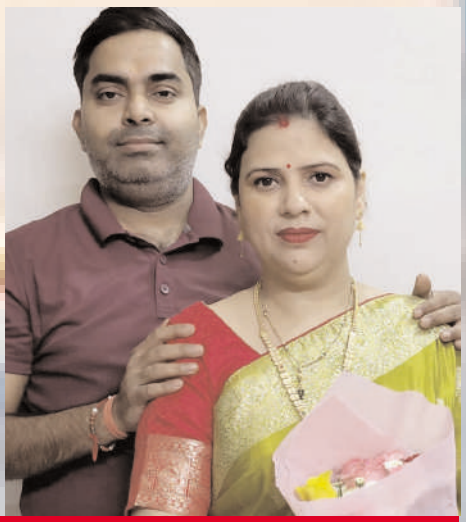
शालिनी चौहान- गोविंद चौहान

भारत के टी20 खिलाड़ियों को कोच गंभीर की दो टूक!

वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए बनाई रणनीति; तिलक ने किया खुलासा

एजेंसी, ऑकलैंड।

भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने बताया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम बैठकों में खिलाड़ियों को स्पष्ट कर दिया है कि टी20 टीम का प्रदर्शन आगामी वनडे और टेस्ट टीमों के लिए भी गति तय करेगा। तिलक के मुताबिक, यह लंबा दौरा है और भारतीय खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन का स्तर बनाए रखना होगा। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और अब उसकी नजर क्लीन स्वीप पर है।

गंभीर ने टीम बैठक में क्या कहा?

तिलक वर्मा ने बताया कि भारत को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खेलने के तुरंत बाद न्यूजीलैंड पहुंचना पड़ा। ऐसे में परिस्थितियों और समय क्षेत्र के अनुसार खुद को ढालना आसान नहीं था। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी इन चीजों का बहाना नहीं बना सकते।

तिलक ने कहा, 'इस स्तर पर हम बहाने नहीं बना सकते। हम सर्वोच्च स्तर पर खेल रहे हैं और हमें उन युवा खिलाड़ियों के लिए मानक तय करने होंगे, जो हमें देखकर प्रेरित होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'गौतम सर ने टीम बैठकों में स्पष्ट कर दिया कि यह लंबा दौरा है और टी20 टीम के तौर पर हम जो स्तर तय करेंगे, उससे वनडे और टेस्ट टीमों को भी गति मिलेगी।'

नंबर तीन से पांच पर बल्लेबाजी करने से बदला अंदाज

तिलक ने बताया कि नंबर तीन के बजाय पांच या छह पर बल्लेबाजी करने से उनकी सोच में थोड़ा बदलाव आया है। पहले से ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता होने के बावजूद अब वह परिस्थितियों के अनुसार पारी आगे बढ़ाने पर ध्यान देते हैं उन्होंने कहा, 'मेरे पास पहले भी पावर गेम था और मैंने नंबर तीन पर भी रन बनाए हैं। अब नंबर पांच या छह पर बल्लेबाजी करते हुए, अगर पहली गेंद पर बाउंड्री लगाने का मौका मिलता है, तो मैं उसका फायदा उठाने के बारे में सोचता हूं।' उन्होंने आगे बताया कि अगर पहली गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का मौका नहीं मिलता, तो वह पारी को गहराई तक ले जाने पर ध्यान देते हैं। इस दौरान सिंगल और डबल लेकर गैप तलाशना उनकी रणनीति का हिस्सा होता है।

गेंदबाजों पर दबाव को बनाते हैं हथियार

तिलक ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह गेंदबाजों की मानसिक स्थिति को भी ध्यान में रखते हैं। उनके मुताबिक, आखिरी ओवरों में बल्लेबाज की तुलना में गेंदबाज पर ज्यादा दबाव होता है। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में यह सकारात्मक सोच रहती है कि गेंदबाज पर ज्यादा दबाव है और ऐसे में उससे रन देने की गलती हो सकती है।' न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में नीतीश रेड्डी के साथ अहम साझेदारी पर तिलक ने बताया कि उन्होंने रेड्डी से कहा था, 'अगर हम यहां से मैच जिता देते हैं, तो बहुत मजा आएगा। मैदान पर टिके रहो, मैच को आखिर तक ले चलो और फिर देखते हैं कि क्या होता है।'

भारत की नजर 5-0 से सीरीज जीतने पर

भारत पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से आगे है। तिलक ने कहा कि टीम के पास क्लीन स्वीप हासिल करने का शानदार मौका है और खिलाड़ी अगले मैच को जीतकर भारतीय प्रशंसकों को 5-0 की सीरीज जीत का मौका देना चाहते हैं।

चौथे टी20 में ईशान की होगी वापसी?

ऑकलैंड। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला ऑकलैंड में खेला जाएगा। यह मुकाबला 30 अक्तूबर को खेला जाएगा। मैच से पहले बीसीसीआई ने ऑकलैंड से प्रैक्टिस की तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में ईशान किशन भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिख रहे हैं। ऐसे में कयास लग रहे हैं कि उनकी अगले टी20 में प्लेइंग-11 में वापसी हो सकती है। वहीं, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा और शिवम दुबे भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिखे। भारतीय टीम सीरीज में पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। बीसीसीआई ने तस्वीरें साझा कीं बीसीसीआई ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'ईडन पार्क, ऑकलैंड। चौथे टी20 से पहले मैच रेडी होते हुए खिलाड़ी।' तस्वीरों में तिलक शॉट्स लगाते दिख रहे हैं। वहीं, कोच गौतम गंभीर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी के गुर सिखाते दिखे। नेट्स के दौरान वैभव ईशान किशन के साथ मस्ती मजाक भी करते दिखे। वहीं, ईशान भी खुलकर शॉट्स खेलते दिखे।
तस्वीरों में तिलक और अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक के साथ सुकून के कुछ पल बिताते दिखे। वहीं, शिवम दुबे बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी का अभ्यास करते दिखे। कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और मयंक यादव भी गेंदबाजी अभ्यास करते दिखे। वहीं, कोच गंभीर और मोर्ने मोर्कल टीम हडल में खिलाड़ियों से कुछ बोलते भी दिखे।
ऑकलैंड के ईडन पार्क पर भारतीय टीम ने कुल तीन मुकाबले खेले हैं और सभी में टीम इंडिया को जीत मिली है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अपना पहला मुकाबला साल 2019 में खेला था, जहां भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया था। इसके बाद 2020 में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के अपने दौरे पर ईडन पार्क में दो मैच खेले और दोनों में ही जीत दर्ज की थी। एक मैच में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया, तो दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने सात विकेट से जीत हासिल की थी।

स्मृति मंधाना ने खोला राजः महिला वनडे विश्वकप की खिताबी जीत के बाद एमएस धोनी ने किया था मैसेज, क्या कहा?

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मैदान पर अपने शांत स्वभाव और निजी जिंदगी में मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, भारतीय महिला क्रिकेट टीम के ऐतिहासिक आईसीसी महिला वनडे विश्व कप खिताब जीतने के बाद उन्होंने एक खास पहल की थी। धोनी ने टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को व्हॉट्सएप पर संदेश भेजकर पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं देने के लिए कहा था। स्मृति ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान इस दिलचस्प किस्से का खुलासा किया।

धोनी का मैसेज पाकर खुश हो गई थीं स्मृति मंधाना

एक प्रमोशनल इवेंट में महेंद्र सिंह धोनी के साथ मौजूद स्मृति मंधाना ने बताया कि विश्व कप जीत के बाद उन्हें पूर्व भारतीय कप्तान का संदेश मिला था। स्मृति ने कहा कि वह इस बात से बेहद खुश थीं कि धोनी ने अपनी व्यस्तता के बीच व्हॉट्सएप के जरिए पूरी टीम को बधाई देने के लिए उनसे संपर्क किया।

स्मृति ने कहा, 'उन्होंने विश्व कप जीत के बाद मुझे मैसेज किया था। मुझे पता है कि वह अपने फोन का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करते हैं। मैं बहुत खुश थी कि उन्होंने व्हॉट्सएप पर हम सभी को बधाई देने के लिए मैसेज किया।' इस दौरान कार्यक्रम के प्रस्तोता हर्षा भोगले ने मजाकिया अंदाज में स्मृति से पूछा कि क्या उन्होंने धोनी का नंबर अपने फोन में सेव कर रखा था? इस पर स्मृति ने जवाब दिया कि उनके पास धोनी का नंबर पहले से था।

धोनी के पास नहीं था पूरी टीम का नंबर

धोनी ने भी इस बातचीत के दौरान मैसेज भेजने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला टीम में स्मृति मंधाना ही एकमात्र खिलाड़ी थीं, जिनका नंबर उनके पास था। ऐसे में उन्होंने स्मृति को संदेश भेजकर पूरी टीम तक अपनी शुभकामनाएं पहुंचाने का अनुरोध किया। धोनी ने कहा, 'मुझे टीम की किसी दूसरी खिलाड़ी का नंबर नहीं पता था। मैं चाहता था कि मेरा संदेश सभी तक पहुंचे। हमने उससे कुछ समय पहले ही एक विज्ञापन की शूटिंग की थी। मैंने सोचा कि स्मृति को मैसेज कर देता हूं और उनसे कहा कि टीम का हिस्सा रहे सभी लोगों को मेरी शुभकामनाएं दे दें।' धोनी का यह छोटा-सा संदेश भारतीय महिला टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि के प्रति उनके सम्मान और खुशी को दर्शाता है।

पहली बार महिला वनडे विश्व कप चैंपियन बना भारत

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दो नवंबर 2025 को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार महिला वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने सात विकेट पर 298 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 87 रन की शानदार पारी खेली, जबकि दीप्ति शर्मा ने 58 रन का योगदान दिया। इसके बाद गेंदबाजी में भी दीप्ति शर्मा ने कमाल किया और पांच विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की पारी को 246 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कप्तान एल. वोल्वाड्ट ने शतकीय पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में भी रचा था इतिहास

फाइनल से पहले भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी यादगार प्रदर्शन किया था। 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जेमिमा रोड्रिग्स की नाबाद 127 रन की पारी और कप्तान हरमनप्रीत कौर के 89 रन की बदौलत पांच विकेट पर 341 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया था। भारत ने नौ गेंद शेष रहते पांच विकेट से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने महिला वनडे क्रिकेट में उस समय के सबसे बड़े सफल रन चेज का रिकॉर्ड बनाया था। इस जीत ने फाइनल में भारत की दावेदारी को और मजबूत कर दिया था।

'मैं भी अपनी शर्तों पर जीती हूं', 'दिल पड़ोसी' में दीया का किरदार निभाने पर बोलीं न्यारा

अभिनेत्री न्यारा एम बनर्जी इन दिनों अपनी सीरीज 'दिल पड़ोसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह दीया का किरदार निभा रही हैं। न्यारा का कहना है कि उन्हें इस किरदार की सबसे खास बात यह लगी कि दीया बिना किसी झिझक के अपनी पहचान के साथ जीती है। वह अपने फैसले खुद लेती है। निजी जिंदगी में वह खुद भी इसी तरह की सोच रखती हैं, इसलिए उन्हें दीया का किरदार पसंद आया। दीया के किरदार के बारे में बात करते हुए न्यारा ने कहा, "सच कहूं तो मैं दीया की तरफ इसलिए आकर्षित हुई, क्योंकि मैं भी उसकी ही तरह हूं। उसके अंदर महत्वाकांक्षा है, आत्मविश्वास है और उसे अच्छी तरह पता है कि वह कौन है। मुझे इस किरदार को निभाते हुए काफी अच्छा लगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे दिलचस्प किरदार वही होते हैं, जिन्हें आसानी से किसी एक खांचे में नहीं रखा जा सकता। दीया भी उन्हीं में से एक है।" न्यारा ने कहा, "दीया की एक और खास बात यह है कि वह जिंदगी में सबकुछ अपने आप होने का इंतजार नहीं करती, बल्कि खुद आगे बढ़कर चीजों को बदलने की कोशिश करती है। मुझे इस किरदार का यही अंदाज पसंद आया। दीया दर्शकों को हैरान करती है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि लोग मेरे किरदार को कितना पसंद करते हैं।"

अभिनेत्री ने आगे कहा, "शेमारूमी के साथ 'दिल पड़ोसी' में काम करने का अनुभव मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। इस कहानी में कलाकारों को अपने किरदारों के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का मौका मिलता है। यही वजह है कि दीया जैसा किरदार निभाना मेरे लिए खास रहा। मेरा मानना है कि ऐसे किरदार ही सबसे ज्यादा दिलचस्प होते हैं, जो अपनी अलग सोच रखते हैं और जिन्हें सिर्फ अच्छा या बुरा कहकर समझाना आसान नहीं होता।"

'दिल पड़ोसी' शेमारूमी पर शेमारू प्रीमियर के तहत स्ट्रीम हो रही है।

'बॉर्डर 2' के बाद अहान को मिली रोमांटिक-एक्शन फिल्म

सुनील शेट्टी के बेटे और अभिनेता अहान शेट्टी फिल्म 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद एक बार फिर एक्शन के मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'रुस्तम' फेम मशहूर निर्देशक टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव की तरफ से लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें दमदार और जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्तूबर से भोपाल में शुरू होगी।

अहान ने सोच समझकर चुनी फिल्म

'बॉर्डर 2' में अपने अभिनय और फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद अहान ने अपने अगले प्रोजेक्ट्स का चयन काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' में एक नया किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी कुछ अन्य फिल्मों की शूटिंग भी 2027 में शुरू होने वाली है।

कब रिलीज हो सकती है फिल्म?

निर्देशक टीनू सुरेश देसाई अपनी विशाल टीम के साथ पहले ही भोपाल पहुंच चुके हैं। वह 30 अक्तूबर से शुरू होने वाली शूटिंग से पहले तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी और इसके विषय को गोपनीय रखा गया है। निर्माता आने वाले समय में फिल्म से जुड़ी जानकारियों का खुलासा धीरे-धीरे करेंगे। 'सनकी' का निर्माण वी द पीपल, रोअरिंग रिवर प्रोडक्शंस और पाल्स एंड पीयर्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

करवा चौथ पर प्रियंका चोपड़ा ने विदेश में भी निभाई रस्म

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हर साल की तरह इस साल भी करवा चौथ का त्योहार मना रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर कर करवा चौथ स्पेशल मेहंदी की एक झलक शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह अपने हाथ में पकि निक जोनस के नाम की मेहंदी लगाए हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, ₹पिया के नाम की.. करवा चौथ मना रहे सभी को हैप्पी करवा चौथ।₹ एक और इंस्टाग्राम स्टोरी में एक्ट्रेस ने मेहंदी की क्लोज लुक वाली तस्वीर शेयर की और उसके रंग को गहरा करने से जुड़ी एक पारंपरिक मान्यता के बारे में पूछा। उन्होंने लिखा, ₹सवाल ये है कि क्या चाशनी काम करेगी? ₹ ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने मेहंदी लगाने पर नींबू और चीनी का घोल (या चाशनी) कि बात की है। दरअसल, मेहंदी लगाने के बाद उस पर नींबू और चीनी का घोल (या चाशनी) इसलिए लगाई जाती है ताकि मेहंदी लंबे समय तक त्वचा से चिपकी रहे और उसका रंग गहरा और पक्का आए।
जब मेहंदी सूखने लगती है तो वह पपड़ी बनकर झड़ने या टूटने लगती है। चीनी के चिपचिपेपन के कारण मेहंदी त्वचा पर लंबे समय तक टिकी रहती है और जल्दी नहीं उखड़ती। मेहंदी का रंग देने वाला मुख्य तत्व 'लॉसोन' तभी तक रंग छोड़ता है जब तक वह नम रहती है। सूखी मेहंदी रंग छोड़ना बंद कर देती है। चाशनी मेहंदी को सूखने से बचाए रखती है और उसे नम रखती है।
प्रियंका, जिनकी शादी अमेरिकी सिंगर निक जोनस से हुई है, अक्सर विदेश में रहते हुए भी अपनी परंपराओं को जिंदा रखने की कोशिश करती हैं और यह भी सुनिश्चित करती हैं कि

उनकी बेटी मालती मैरी भी भारतीय परंपराओं और त्योहारों से जुड़ी रहे। इससे पहले एक्ट्रेस ने अपने लॉस एंजिल्स वाले घर पर हुए दशहरे के और दुर्गा पूजन किया था। इसके बाद उन्होंने हवन के साथ-साथ कन्या पूजन भी किया था। इस पूरी पूजा में अभिनेत्री के साथ उनकी बेटी मालती और पति निक जोनस भी शामिल हुए थे।

'यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी', 'पेद्दी' में अपने किरदार पर जान्हवी कपूर ने क्यों कही ये बात?

अभिनेत्री जान्हवी कूपर हाल ही में शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंचीं। यहां उन्होंने अपनी फिल्म 'पेद्दी' में अपने किरदार के 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' (वस्तु की तरह पेश किए जाने) पर बात की। उन्होंने माना कि वह 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' को रोकने के लिए और बेहतर कर सकती थीं। उन्होंने इस फिल्म से जुड़े विवाद में अपनी भूमिका की जिम्मेदारी ली है।
बातचीत के दौरान, शो के होस्ट करण जौहर ने जान्हवी से उस आलोचना के बारे में पूछा, जो फिल्म में उनके किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर हुई थी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण अहम किरदार में थे। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में जान्हवी के किरदार को लेकर काफी विवाद हुआ था।

अपने किरदार पर क्या बोलीं जान्हवी?

आलोचना का जवाब देते हुए, जाह्नवी ने कहा कि यह बात उनके मन पर लगातार बोझ बनी हुई है। उन्होंने माना कि फिल्म में उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया, उसे अलग तरीके से दिखाया जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, खासकर मेरे जेंडर पर, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है। यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और अधिक सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह हद से ज्यादा 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' था? क्या इसने कहानी के जरिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां। लेकिन अब मैं बस इतना कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा न हो।'

अभिनेत्री ने की अच्छा करने की कोशिश

अभिनेत्री ने आगे कहा 'और हां, मुझे यह कहते हुए अच्छा नहीं लग रहा क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपनी गलती दूसरों पर डाल रही हूं, मगर बात यह है कि आपको निर्देशक की बात सुननी पड़ती है। जैसे-जैसे मुझे जानकारी मिलती गई, मैं कोशिश करती रही कि चीजों को कम से कम खराब किया जाए। आप तो जानते ही हैं कि शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट मिलती है। ऐसी स्क्रिप्ट्स में भी बहुत कम ही देखने को मिलता है कि कैमरा एंगल कहां होंगे। दक्षिण में तो शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट होती है, उसमें भी कैमरा एंगल कहां होंगे, यह बहुत कम ही पता चलता है।'

जान्हवी कर सकतीं थीं विशेषाधिकार का इस्तेमाल

जाह्नवी ने आगे कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में अपनी स्थिति का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था, ताकि वह अपने किरदार को दिखाए जाने के तरीके पर अपनी चिंताएं जाहिर कर पातीं। उन्होंने कहा 'मुझे अपनी तरफ की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। मैं एक ऐसी जगह से आती हूं जहां मुझे विशेषाधिकार मिले हुए हैं। मुझे इसका फायदा उठाना चाहिए था, क्योंकि वैसे भी मुझे विशेषाधिकार मिले होने के लिए आलोचना तो झेलनी ही पड़ती है। तो बेहतर होता कि मैं इसका इस्तेमाल कर लेती।'

क्या था 'पेद्दी' पर विवाद?

बता दें कि 'पेद्दी' को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब दर्शकों ने आलोचना की कि अचियम्मा के किरदार को इस तरह पेश किया गया है, जिसमें उसकी कामुकता पर जोर दिया गया है। कुछ लोगों ने यह चिंता भी जताई कि कुछ दृश्य यौन उत्पीड़न को बढ़ावा दे रहे हैं या उसे सामान्य कर रहे हैं। बाद में निर्देशक बुची बाबू सना ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और कहा कि उनकी टीम का महिलाओं का अपमान करने या उन्हें केवल एक वस्तु की तरह पेश करने का कोई इरादा नहीं था। जिन दृश्यों की आलोचना हुई थी, उन्हें फिल्म के थिएट्रिकल वर्जन से हटा दिया गया या उनमें बदलाव कर दिया गया।